दैनिक
लोकप्रदेश
RNI NO. MPHIN/2016/69135
वर्ष-10 | अंक-73 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, सोमवार 30 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

अमित शाह का गुवाहाटी में रोड शोः बंगाल में बोले-
ममता चुनाव में हर बार विक्टिम कार्ड खेलती हैं

गुवाहाटी/कोलकाता। गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुवाहाटी (असम) में रोड शो किया। इसके पहले शाह ने कोलकाता में ममता सरकार के खिलाफ आरोप पत्र (चार्जशीट) जारी किया। शाह ने कहा, 'इसमें टीएमसी सरकार के 15 साल के काले कारनामों का जिक्र है, ये जनता की चार्जशीट है। बंगाल में अराजकता और बदहाली है। यहां की अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है।' उन्होंने कहा, 'ममता दीदी ने हमेशा विक्टिम कार्ड की राजनीति की है। कभी पैर तुड़वा लेती हैं, कभी सिर पर पट्टी बंधवा लेती हैं, कभी बीमार हो जाती हैं और कभी चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन बंगाल के लोग अब ममता दीदी की विक्टिम कार्ड पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ गए हैं।' मार्च 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले ममता के सिर में चोट में लगी थी, जबकि 2021 में विधानसभा चुनाव के पहले उनके पैर में चोट लगी थी।

पीएम मोदी का त्रिशूर में रोड शोः पलक्कड़ में बोले- एलडीएफ-यूडीएफ दोनों भ्रष्टाचारी, इन्हें भाजपा से डर
केरल स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों में फंसा

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार से केरल में भाजपा के चुनाव प्रचार की शुरुआत की है। पलक्कड़ में रैली के बाद पीएम त्रिशूर पहुंचे हैं। यहां उनका रोड शो 34 मिनट तक चला। सड़क के दोनों और लोगों की भीड़ मौजूद रही। इससे पहले पलक्कड़ में रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा था कि दशकों से केरल मतलबी पॉलिटिक्स के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक तरफ एलडीएफ, दूसरी तरफ यूडीएफ; एक तरफ कम्युनिस्ट, दूसरी कांग्रेस। एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल। एलडीएफ और यूडीएफ की सारी पॉलिसी सिर्फ वोट-बैंक पॉलिटिक्स के लिए हैं। पीएम ने कहा कि इन भ्रष्टाचारी पार्टियों को बीजेपी से डर लगता है। अगर हम सत्ता में आ गए तो इनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी।

मोदी बोले- आजकल बीजेपी को बी टीम बनाने का नया प्रोपेगैंडा

आजकल, कम्युनिस्ट और कांग्रेस दोनों ने नए प्रोपेगैंडा कैंपेन शुरू किए हैं। कम्युनिस्ट दावा करते हैं कि कांग्रेस बीजेपी की बी टीम है, जबकि कांग्रेस कम्युनिस्टों पर बीजेपी की बी टीम होने का आरोप लगाती है। इस बातचीत से पता चलता है कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने ही यह मान लिया है कि केरल में बीजेपी ही एकमात्र एकजुट टीम है।

केरल बदलाव का संदेश दे रहा है

केरल के पलक्कड़ में पीएम मोदी ने कहा, इस बार केरल में अलग माहौल है। केरल बदलाव का संदेश दे रहा है। पीएम ने कहा कि एनडीए की बढ़ती लोकप्रियता, बीजेपी पर लोगों का बढ़ता भरोसा, आज आपका जोश और सपोर्ट, इतनी बड़ी संख्या में आपकी मौजूदगी। पलक्कड़, यह सब दिखाता है कि केरल का मूड एक आंदोलन बन गया है। अब केरल के युवा बीजेपी और एनडीए पर भरोसा करते हैं। अब केरल की महिलाएं बीजेपी और एनडीए को पसंद करती हैं। अब केरलम के किसान बीजेपी और एनडीए को पसंद करते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 10 सालों में हमने असम में घुसपैठियों को रोक दिया है। अब कोई घुसपैठिया असम में नहीं आ सकता। ये घुसपैठिए असम में हमारे नौजवानों से नौकरियां छीन रहे हैं। हमारी बीजेपी सरकार ने 1 लाख 25 हजार एकड़ जमीन घुसपैठियों से आजाद कराई है। हमने उनका कब्जा तोड़ा है। शाह ने कहा, एक ओर भाजपा है जिसने 10 साल में असम को आतंकवाद मुक्त बना दिया। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी है जिसके शासन में यहां गोलीबारी और बम धमाके होते थे।

रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रूपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का लोकार्पण
माँ नर्मदा के आशीर्वाद से प्रदेश में बह रही है विकास की नई धाराः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मां नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है और उनके आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भी होलकर साम्राज्य ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से कठिन परिस्थितियों में सनातन संस्कृति को सशक्त बनाए रखा और देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर घाट, धर्मशालाएं एवं अन्नक्षेत्र विकसित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नर्मदा परियोजनाओं को नई गति मिली है। सरदार सरोवर परियोजना के माध्यम से गुजरात, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र सहित व्यापक भू-भाग में जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे कृषि, उद्योग एवं पेयजल की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री रविवार को इंदौर में आयोजित नर्मदा के चतुर्थ चरण के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मां नर्मदा जल के चतुर्थ चरण का किया भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रभावी रूप से संचालित हुआ। प्रदेश में अब जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग पौने तीन लाख कुएं, बावडी, तालाब एवं नहरों का निर्माण एवं जल संरचनाओं पुनर्जीवित किया जाएगा।

इंदौर को मिली करोड़ की जल एवं विकास परियोजनाओं की सौगात

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। कान्ह नदी के जल को शुद्ध कर कृषि कार्यों में उपयोग हेतु उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक बूंद जल के संरक्षण के माध्यम से प्रदेश को समृद्ध बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे इंदौर शहर के लिए आगामी 25 वर्षों की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समग्र योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने संकल्प से समाधान अभियान के लाभार्थियों को किया हितलाभ वितरण

मुख्यमंत्री ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 1356 करोड रुपए के पेयजल आपूर्ति संबंधी कार्यों का भूमि पूजन किया। इन कार्यों में पैकेज-एक के अंतर्गत 1650 एमएलडी इंटेक, 400 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट, पंपिंग स्टेशन एवं आधुनिक जल इंफ्रास्ट्रक्चर, पैकेज-2 के अंतर्गत 39 किलोमीटर ग्रेविटी पाइपलाइन, 2870 मीटर लंबी टनल एवं क्लोरिनेशन प्लांट, पैकेज-3 के अंतर्गत 20 नए ओवर हैड टैंक और 1.26 लाख नवीन कनेक्शन तथा पैकेज-4 के अंतर्गत 20 नए ओवर हेड टैंक, 46 पुराने टैंको का उन्नयन, 892 किलोमीटर पाइपलाइन और 1.21 लाख नवीन कनेक्शन देने के कार्य शामिल है।

पीएम मोदी बोले-
जंग के चलते दुनिया में पेट्रोल-डीजल का संकट
भारत चुनौती से निपट रहा, अफवाहों में न आएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है। सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं।

जंग के चलते ऊर्जा संकटः साथियों, जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है।

अफवाहों में न आएंः मैं सभी देशवासियों से अपील भी करूंगा कि वो जागरुक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं 7 सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।

'मिले सुर मेरा तुम्हारा' – सुरों से सजी एक अविस्मरणीय संगीत संध्या
इंदौर के कला रसिकों ने देर रात तक महफ़िल का उठाया भरपूर आनंद

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी एवं देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में आयोजित 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' संगीत संध्या ने शहर के सांस्कृतिक परिवेश को सुरों की मधुरता से सराबोर कर दिया। मध्य प्रदेश प्रेस क्लब एवं केसरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 28 मार्च को जाल सभागृह में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम ने न केवल संगीत प्रेमियों को आनंदित किया, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक समरसता का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। 70 के दशक से लेकर वर्तमान समय तक के लोकप्रिय गीतों, तरानों और देशभक्ति से ओतप्रोत नगमों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कई प्रस्तुतियों पर दर्शक स्वयं को थिरकने से रोक नहीं पाए, जिससे पूरी संध्या उत्सवमय बन गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मां बगलामुखी धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद जी महाराज उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 'संगीत मन को सुकून और शांति प्रदान करता है, यह आत्मिक संतुलन का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखते हैं।

विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश हिंदुस्तानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'संगीत के सुरों में अपार शक्ति होती है, यह युद्ध जैसी परिस्थितियों को भी शांत कर सकता है।' वहीं दैनिक दोपहर के प्रधान संपादक नवनीत शुक्ला ने भी आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

कार्यक्रम की सूत्रधार एवं केसरी फाउंडेशन की अध्यक्ष तथा मध्य प्रदेश प्रेस क्लब की सचिव श्रीमती रोमा मल्होत्रा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य हर आयु वर्ग की प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर उन्हें अभिव्यक्ति का अवसर देना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस संगीत संध्या में 5 वर्ष से लेकर 80 वर्ष तक के कलाकारों ने गायन एवं वाद्य यंत्रों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर दैनिक हेलो हिंदुस्तान के प्रधान संपादक प्रवीण शर्मा, लोकस्वामी के संपादक योगेंद्र जोशी, अखिल भारतीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश महासचिव मनीष सिसोदिया, दैनिक चैतन्य लोक के प्रधान संपादक दीपक शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. कमल हेतावल एवं के.सी. दुबे, वृंदा गौंड सुधा सुखयानी,विनिता मौर्या जी,विमला मनरागे,निशा यादव,रेणु जयसिघांनी, गोपाल कोडवानी, रवि गुप्ता,डॉली खुराना,सुषमा पटेल,डॉ दीप्ति सिंह हाड़ा, विजेंद्र सिंह ठाकुर पम्मी शाह,धर्मेश जागीरदार,सोनाली सोनी,नम्रता सिंह जी,एवं अतिथि गायक कलाकार गुंजन चौरसिया एवं प्रदीप एम शर्मा बालीवुड सिंगर एवं फाउंडेशन के सदस्य रोहन मल्होत्रा,संजीव कुमार मल्होत्रा,मनोज नजांन,लतिका नजांन,मजुंशा नाचण,बाबा नाचण,शालिनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की विशिष्टता यह रही कि इंदौर ट्रैफिक पुलिस की महिला अधिकारियों ने अपने मधुर सुरों के माध्यम से जनता को यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया, जो कला और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत संगम था।

संगीत संध्या में दिव्यांग प्रतिभागी आयुष तिवारी की भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी को भाव-विभोर कर दिया, वहीं हारमोनियम पर बाल कलाकार सार्थक की नन्हीं उंगलियों ने ऐसा जादू बिखेरा कि पूरा सभागार करतल ध्वनि से गूंज उठा। सैक्सोफोन पर आरोह बारगल की प्रस्तुति ने भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस आयोजन का एक अत्यंत संवेदनशील और प्रेरणादायक पहलू यह रहा कि समाज के उस वर्ग को भी सम्मानित किया गया,

जो सामान्यतः अनदेखा रह जाता है—घरों में कार्य करने वाली सेविकाओं को मंच पर सम्मान देकर आयोजकों ने सामाजिक समरसता और सम्मान की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्वेता फड़के ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन केसरी फाउंडेशन के संजय मिश्रा ने व्यक्त किया।

समग्रतः 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' केवल एक संगीत संध्या नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों, आयु समूहों और भावनाओं को एक सूत्र में पिरोने वाला एक सशक्त सांस्कृतिक प्रयास बनकर उभरा, जिसने इंदौर की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक समृद्ध किया।

जिला स्तरीय प्राचार्य,प्रधानाचार्य व खेल शिक्षकों की बैठक आयोजित

नगर संवाददाता, सतना।

सरस्वती शिक्षा परिषद महाकोशल प्रान्त की योजनानुसार 28 मार्च को सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेलमार्ग रीवा में जिला स्तरीय प्राचार्य/प्रधानाचार्य बैठक प्रातः 10.30 बजे से प्रारंभ हुई। जिसमें रीवा एवं मऊगंज जिले के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के 22 विद्यालयों के प्राचार्य/प्रधानाचार्य सम्मिलित हुये। बैठक का प्रारंभ कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ भारती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन एवं पूजन से किया गया,तत्पश्चात् मंचासीन अतिथिगणों का परिचय के पश्चात् शाल एवं श्रीफल से स्वागत वन्दन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य शिवकुमार शुक्ला ने बैठक के प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

बैठक के प्रमुख मार्गदर्शक सरस्वती शिक्षा परिषद महाकोशल प्रान्त के प्रान्तीय कोषाध्यक्ष विष्णुकांत ठाकुर रहे। उन्होने विभिन्न विद्यालयों से प्राप्त आंकड़ो एवं अभिलेखों का अवलोकन करते हुये सभी को आगामी सत्र में परिषद द्वारा बनाई गई योजना के अनुसार निर्देशित करते हुये रीवा एवं मऊगंज जिले में चल रहे विद्यालयों में सत्र 2026-27 में अधिकतम नवीन प्रवेश कराने के लिये बनाई गई योजना का मार्गदर्शन किया। बैठक में नीरज खरे प्रान्त सह सचिव एवं जिला सचिव, जिला रीवा रवि मिश्रा विभाग समन्वयक रीवा विभाग के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों से आये प्राचार्य/प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। विद्यालय में आज सरस्वती शिशु मंदिर के रीवा एवं मऊगंज जिले के क्रीड़ा शिक्षकों की बैठक भी सम्पन्न हुई।

विभिन्न योजनाओं के संबंध में विचार मंथन

जिला स्तरीय प्राचार्य/प्रधानाचार्य बैठक में सरस्वती शिक्षा परिषद द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं के विषय में विचार मंथन किया गया। नीरज खरे ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित प्राचार्य,प्रधानाचार्य को संबोधित करते हुये वर्तमान सत्र में अधिक से अधिक संख्या में विद्यालयों में नवीन प्रवेश कराने के साथ-साथ पठन-पाठन के संबंध में एक ठोस योजना बनाकर कार्य करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं अंग्रेजी विषय के शिक्षण पर सभी विद्यालयों को योजनाबद्ध प्रयास करने को कहा तथा बैठक का समापन शांति मंत्र के साथ किया गया।

वन विभाग में 10 करोड़ के घोटाले का आरोप

शिकायतकर्ता को धमकी, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

नगर संवाददाता, सतना।

चित्रकूट कर्वी रेंज में वन विभाग से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। जिसने प्रशासनिक तंत्र और विभागीय कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि वर्ष 2021 से 2025 के बीच वृक्षारोपण एवं अन्य वन विकास कार्यों में करीब 10 करोड़ रुपये की अनियमितताएं की गई हैं मामले को लेकर स्थानीय निवासी अनिल कुमार मिश्रा ने खुलकर शिकायत करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पीड़ित के अनुसार क्षेत्रीय वनाधिकारी और संबंधित कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण गड्ढा खुदाई, झाड़ी सफाई जैसे कार्यों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई है। आरोप है कि कई कार्य केवल कागजों पर पूरे दिखाए गए जमीनी स्तर पर कार्य या तो अधूरे हैं या बिल्कुल नहीं हुए, जिन स्थानों पर लाखों रुपये खर्च दिखाए गए वहां वास्तविक काम नजर नहीं आता। इससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका और मजबूत होती है।

शिकायत के बाद कार्रवाई नहीं उल्टा दबाव अनिल कुमार मिश्रा का कहना है कि उन्होंने इस मामले में कई बार संबंधित अधिकारियों और शासन-प्रशासन को लिखित शिकायतें दीं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई इतना ही नहीं शिकायत करने पर उन्हें डराया-धमकाया गया शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। यहां तक कहा गया कि शिकायत करने से कुछ नहीं होगा।पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दबंग दरोगा और वनकर्मी मिलकर शिकायत को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे मामला और गंभीर हो गया है। सरकार और प्रशासन पर उठे सवाल इस पूरे घटनाक्रम के बाद कई अहम सवाल सामने आ रहेहैं। क्या प्रदेश में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के दावों के बावजूद जमीनी हकीकत अलग है। कर्मचारियों को कार्रवाई का डर नहीं है। शिकायतकर्ता को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। क्या स्थानीय स्तर पर मिलीभगत के चलते मामला दबाया जा रहा है।पीड़ित का कहना है कि सरकार बदलने के बाद भी अधिकारियों के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया जिससे आम जनता का भरोसा प्रभावित हो रहा है। मामले के उजागर होने के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला जिले के सबसे बड़े वन घोटालों में से एक हो सकता है।

पीड़ित ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, शिकायतकर्ता को सुरक्षा प्रदान की जाए, मानिकपुर का यह मामला न केवल वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि यदि शिकायतकर्ताओं को ही धमकाया जाएगा तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना और कठिन हो जाएगा।

सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं का रहा उम्दा प्रदर्शन

नगर संवाददाता, सतना।

जवाहर नवोदय विद्यालय, सिरमौर, रीवा में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के सफल समापन पर छात्रों के बीच अपार हर्षोल्लास का वातावरण देखने को मिला। यह अवसर विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जिसे विद्यालय परिवार ने उत्साह एवं गरिमा के साथ अनुभव किया। परीक्षा के आरंभ से पूर्व विद्यालय परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार एवं प्रार्थना के माध्यम से विद्यार्थियों ने ज्ञान, बुद्धि, आत्मविश्वास तथा उत्तम परिणाम की कामना की। इस आध्यात्मिक वातावरण ने छात्रों के मनोबल को बढ़ाया और उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। प्रार्थना के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र पांडेय जी भी उपस्थित रहे।

विद्यालय के प्राचार्य मनीष कुमार तिवारी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें परीक्षा के प्रति निर्भय, संयमित और आत्मविश्वासी रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केवल ज्ञान का मूल्यांकन नहीं, बल्कि धैर्य, समय-प्रबंधन और मानसिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। शिक्षक नरेंद्र यादव ने प्रेरणादायक शब्दों ने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से सशक्त बनाया।

इस अवसर पर कई छात्रों ने विद्यालय में बिताए गए अपने सुनहरे पलों को याद किया और अपने मित्रों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कुछ भावुक क्षण भी देखने को मिले, जब विद्यार्थी अपने साथियों से विदा ले रहे थे। विद्यालय के प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि विद्यालय के छात्र भविष्य में समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जन्मदिन पर महेंद्र तिवारी को लोगों ने दी बधाई

मनगवां। वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र तिवारी एवं पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक का जन्म उत्सव कार्यक्रम अर्धशतक पूर्ण होने पर मनाया गया। इस कार्यक्रम को मूर्त रूप देने के लिए शुभचिंतकों एवं एक अखबार के उप संपादक डॉ.विष्णु देव कुशवाहा जन्म उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विधि विधान अनुरूप देवी देवताओं का पूजा अर्चना के पश्चात हनुमान चालीसा का पाठ भी संपन्न हुआ। इसके बाद वरिष्ठ पत्रकार एवं पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक के समर्थकों ने केक काटकर जन्म उत्सव कार्यक्रम धूमधाम तरीके से मनाया गया। आयोजित जन्म उत्सव कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक शिव तिवारी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी। इस मौके पर प्रमुख रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक प्रतिनिधि जीवनलाल तिवारी सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर आयोजित

नगर संवाददाता, सतना।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा की प्राचार्य प्रो. विभा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन विभिन्न जागरूकता एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर समन्वयक अभिमन्यु ने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए मूल भावना पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से स्व अनुशासन एवं सत्य के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि एक सच्चा स्वयंसेवक वही है जो इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाकर समाज के लिए प्रेरणा बने। उन्होंने युवाओं को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु समर्पित रहने का संदेश दिया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा गांव में प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया गया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और पर्यावरण संरक्षण के लिए वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कपड़े और जूट के बैग के उपयोग को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

उत्तम तिवारी बने आप के यूथ विंग जिला उपाध्यक्ष

रीवा। आम आदमी पार्टी प्रदेश में संगठन विस्तार और युवा नेतृत्व को मजबूती देने के लिए नियुक्तियों का दौर जारी है। इसी क्रम में रीवा जिले की जवा तहसील के ग्राम बरहुला निवासी उत्तम तिवारी को आम आदमी पार्टी यूथ विंग का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अपनी इस नियुक्ति पर उत्तम तिवारी ने पार्टी की राष्ट्रीय टीम और मध्य प्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर का आभार व्यक्त किया है। श्री तिवारी की नियुक्ति पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शुभकामनाएं देने वालों में प्रमुख रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष विनायक तोमर, प्रदेश प्रवक्ता नितेश नारायण, शिव कुमार पटेल (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, सोशल मीडिया), प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र चौरसिया, प्रदेश संगठन मंत्री भक्तराज सिंह और जिला अध्यक्ष नितीन तिवारी शामिल हैं।

जन अभियान परिषद सगरा में 150 वर्ष पुरानी झिरिया बावड़ी को किया साफ

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड रायपुर कर्चुलियान के तत्वाधान में सगरा में जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत 150 वर्ष पुरानी झिरिया बावड़ी की सफाई व जल पूजन कर आम जनों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया जल चौपाल का आयोजन कर जल है तो कल है के स्लोगन का दीवार लेखन कर आम जनों को पुराने जल स्त्रोतों को बचाने के लिए और जल के संरक्षण पर चर्चा की गई। ब्लॉक समन्वयक श्रीमती सुषमा शुक्ला ने कहा कि जल ही जीवन है और जल है तो कल है इस संकल्प को हम सब तो सुनते हैं परंतु उसेजीवन में उतरने की आवश्यकता है जल मनुष्य के साथ जीव पशु पक्षी कीड़े मकोड़े सभी को चाहिए इसलिए जल की बचत से जल के संरक्षण संवर्धन के लिए, हमें बहुत ही जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करना होगा मनुष्य ही सजग प्रहरी है जो जन-जन को जल संरक्षण के लिए प्रेरित कर सकता है। सच्चा समाज सेवक वही है जो समाज के साथ जुड़ा रहता है और आने वाली समस्याओं से समाज को उचित मार्गदर्शन देकर सजग और सचेत करता है। प्रस्फुटन समिति सुरसा कला के अध्यक्ष जय प्रकाश नारायण मिश्रा ने भी ग्राम वासियों से जल के संरक्षण संवर्धन के लिए, अनुरोध किया। कार्यक्रम में मेंटर महेंद्र श्रीवास्तव,मनोज कुमार नापित, शिवानी पांडे, बालेंद्र पांडे, सौरभ पांडे,विकास साहू,छात्र आकाश साहू,अतुल मिश्रा,पूजा मिश्रा,श्रद्धा सिंह, आकांक्षा त्रिपाठी और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मानस विदुषी डॉ. ज्ञानवती अवस्थी की पुस्तकों का विमोचन

नगर संवाददाता, सतना।

मानस मंडल रीवा द्वारा मानस भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मानस मंडल की पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान संरक्षक मानस विदुषी डॉक्टर ज्ञानवती अवस्थी की लिखित तीन पुस्तकों श्री राम कथा मंजरी, कृपानुभूति , विचार वीथिका एवं रेडियो वार्ता का विमोचन साहित्यकारों प्रो. सुद्युम्नाचार्य (राष्ट्रपतिसम्मानित) प्रो. सूर्यनारायण गौतम (अन्तरराष्ट्रीय साहित्यकार) एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह के मुख्य आतिथ्य में डॉ.ज्योत्स्ना द्विवेदी सहा. प्राध्यापक-संस्कृत शास. ठा. रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा,डॉ. पूजा सहा.प्राध्यापक-प्राच्य संस्कृत शास. वेंकट संस्कृत महाविद्यालय रीवा,डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी साहित्याचार्य शास. वेंकट संस्कृत महाविद्यालय रीवा के हाथों किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन श्री राम दरबार एवं मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं मंत्रोच्चार के साथ किया गया। मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय ने आमंत्रित विद्वान आचार्य गणों का परिचय कराया एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों का स्वागत किया । कार्यक्रम में उपाध्यक्ष संदीप सिंह बघेल पूर्व उपाध्यक्ष पीयूषेन्द्र त्रिवेदी, प्रचार सचिव शिव शंकर दीक्षित रेड क्रॉस चेयरमैन प्रभाकर चतुर्वेदी इंजी. शेर बहादुर सिंह आर सी एम प्रमुख आर बी द्विवेदी डॉ मंगलेश्वर सिंह जगजीवन तिवारी कक्का , पत्रकार मुकुंद मिश्रा समाजसेवी नारायण डिगवानी एंड सुनील अग्रवाल राजेश पांडे राजेश भल्ला राम मणी मिश्रा प्रेम शंकर सिंह प्रद्युम्न नामदेव प्रतिभा दुबे, शिवम चतुर्वेदी, प्रीतम, जीवेन्द्र ,विभा, ममता शुक्ला, रश्मि शुक्ला ,साधना तिवारी इंदिरा अग्निहोत्री, सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नगर में निकाली गई मनमोहक शोभा यात्रा

हनुमना नगर में परंपरागत ढंग से मनाया गया रामनवमी महोत्सव

नगर संवाददाता, सतना।

हनुमना नगर में रामनवमी महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ पूर्ण परंपरागत ढंग से मनाया गया,जहां आचार्य जी के मंदिर लक्ष्मी नारायण मंदिर स्वामी माधवाचार्य की तपस्थली तथा श्रीरामानुज आयुर्वेदिक औषधालय स्थित दिव्य श्री बैकुंठम में भगवान का प्राकट्य उत्सव मनाया गया वहीं नगराराध्य श्रीहनुमान मंदिर से भव्य दिव्य व ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। उल्लेखनीय है कि हनुमान जी की पवित्र नगरी हनुमान में हर वर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का प्राकट्य उत्सव रामनवमी पर नगर के प्रत्येक प्रमुख मंदिरों में भगवान श्री राम का दोपहर 12 बजे प्राकट्य उत्सव मनाते हुए प्रसाद का वितरण किया गया। लोग दिन भर मंदिरों में दर्शन पूजन एवं प्रसाद ग्रहण हेतु आते रहे वही शाम 4 बजे से नगर आराध्य श्री हनुमान जी महाराज के मंदिर परिसर से व्यापार मंडल की अगवाई में ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई

जिसमें आगे आगे भगवान श्री राम का दिव्य रस चल रहा था उसके पीछे माता कौशल्या कैकेई एवं सुमित्रा जी का राज चल रहा था, साथ ही तीसरे रथ में राम लक्ष्मण जानकी का रथ,उसके पीछे हजारों की संख्या में नाचते गाते माताएं बहने एवं वृद्ध नर नारियों का समूह चल रहा,था जगह-जगह लोगों ने आरती उतार कर अपने आप को धन्य समझते रहे। नाड़ी विशेषज्ञ लोकतंत्र सेनानी सरयू प्रसाद वैद्य परिवार ने भी अपने श्री रामानुज आयुर्वेदिक औषधालय के सामने भगवान की विधिवत पूजा अर्चना की। वैश्य महासम्मेलन के निवर्तमान जिला अध्यक्ष अखिलेश गुप्ता लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति के संतोष गुप्ता ज्योति गुप्ता सीताराम केसरी विट्ठलनाथ केसरी द्वार पर भगवान की विशेष पूजा अर्चना की। शोभा यात्रा में व्यापार मंडल अध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता,निलेश केसरी, अजेंद्र कुमार केसरी, सुरेश कुमार गुप्ता,नगर परिषद अध्यक्ष पूनम गुप्ता,श्रीमती भारत केसरी, राजेश गुप्ता ,प्रकाश चंद केसरी,सोनू मेडिकल रानू गुप्ता मनीष केसरवानी रितेश कुमार राजेश कुमार केसरवानी रेवती रमन गुप्ता सतीश गुप्ता केसरी विक्रमादित्य विक्की,सियाराम कचेर मनोज लाइट प्रांसुगुप्ता संजू केसरी संजय गुप्ता मनोज कुमार गुप्ता तारकेश्वर केसरी बुल्लूकेशरी राजा बाबू गुप्ता सनी केसरी गोलू केसरी आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

अंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता महिला अंडर-18

सतना को 8 विकेट पराजित कर रीवा बना विजेता

कप्तान दीप्ति बनी प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

नगर संवाददाता, सतना।

मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने निदेशानुसार रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व मे खेली जा रहीअंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता (महिला अंडर-18) का बहुप्रतीक्षित फाइनल मैच आजएमपीसीए क्रिकेट मैदान मेसतना एवं रीवा की टीमों के बीच खेला गया जिसमें शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये रीवा ने 8 विकेट से जीत दर्ज कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया । उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव अनुराग सेठी के द्वारा बताया गया कि फाइनल मैच में टास सतना की टीम ने जीता व पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया व उनके प्रारंभिक क्रम के बल्लेबाजों ने शानदार बैटिंग की तथा एक समय सतना का स्कोर 3 विकेट पर 138 रन था तथा वो

एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी किंतु जैसे ही 48 रनों के निजी स्कोर शानदार बल्लेबाजी कर रही साक्षी त्रिपाठी चौथे विकेट के रूप मे आउट हुयी वैसे ही सतना की बल्लेबाजी का मध्य व निचला क्रम भरभरा गया व उनकी पूरी टीम 164 रनों के स्कोर पर आउट हो गयी । स्पष्ट है सतन के अंतिम 6 विकेट सिर्फ 26 रन बनाकर आउट हुये जिससे उनकी पारी का एकाएक पतन हो गया । रीवा की ओर से उनकी श्रेष्ठ गेंदबाज ऊर्वी पाण्डेय एवं कप्तान दीप्ति सिंह ने 2-2 विकेट हासिल किये । जीत के लिए मिले 165 रनों के लक्ष्य को रीवा की टीम ने बड़ी ही आसानी के साथ 32 वें ओवर में ही मात्र 2 विकेट खोकर बना लिया तथा 8 विकेटों की शानदार जीत के साथ चैंपियन का खिताब अपने नाम किया । रीवा की ओर से हर मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाली दीपांशी शुक्ला फाइनल मैच में भी शानदार खेल दिखाया व नाबाद 59 रन बनाते हुये लगातार तीसरा अर्धशतक बनाया वही कप्तन दीप्ति सिंह भी 53 रन बनाकर नाट आउट रहीं । फाइनल मैच के अंपायर रीवा के एकमात्र बीसीसीआई अंपायर प्रेम भार्गव रहे जबकि उनके साथी अंपायर का दायित्व सुहैल खान ने निभाया । विकास सिंह मैच के स्कोरर रहे । रीवा की संभागीय टीम के गठन के उद्येश्य से खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखने के लिये रीवा महिला चयन समिति की सदस्य निशी मिश्रा मैच के दौरान उपस्थित रहीं ।

सतना की अंशिका श्रेष्ठ बल्लेबाज व रीवा की ऊर्वी बनी श्रेष्ठ गेंदबाज

फाइनल मैच के समाप्त होने के पश्चात रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष व पूर्व संभागीय खिलाड़ी फैज सिद्दीकी के मुख्य आतिथ्य में विजेता टीम रीवा को विजेता ट्राफी एवं उपविजेता टीम सतना को उपविजेता ट्राफी प्रदान की गयी । इस अवसर पर फाइनल मे पहुँची दोनो टीमों को फैज सिद्दीकी ने बधाई दी। पूरी प्रतियोगिता में 183 रन बनाने वाली सतना की अंशिका सिंह को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज एवं 10 विकेट लेने वाली रीवा की ऊर्वी पाण्डेय को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरूस्कार प्रदान किया गया वही सबसे प्रतिभाशाली प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरूस्कार 153 रन एवं 5 विकेट लेने वाली रीवा की कप्तान दीप्ति सिंह को दिया गया । समापन अवसर पर आरडीसीए के सह सचिव देवेश शुक्ला, सतना से आये वरिष्ठ खिलाड़ी साकेत गौतम , नवीन रावत, राजेश मिश्रा के अलावा खुदा बख्श, सुधाकर शुक्ला, महेन्द्र सिंह सहित खेल प्रेमी एवं अभिभावक उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

महिला ने किया जादू-टोना,युवक का आरोप

रीवा। एक फरियादी ने अज्ञात महिला पर जादू-टोना के शक में परेशान करने का आरोप लगाया है। वहीं, उसी फरियादी ने पुलिस प्रशासन पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रीवा जिले के हजूर तहसील अंतर्गत ग्राम रुपौली निवासीकृष्णकांत तिवारी ने आरोप लगाया है कि एक अज्ञात महिला उन्हें लगातारजादू-टोना कर परेशान कर रही है। पीड़ित का कहना है कि इस वजह से वह औरउनका पूरा परिवार मानसिक रूप से काफी परेशान है। फरियादी ने बताया कि वह इस मामले की शिकायत कई बार संबंधित थाने में कर चुका है और कई आवेदन भीदे चुका है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इतना ही नहीं,फरियादी ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप भी लगाया है। उनका कहना हैकि पहले हुई मारपीट की घटना में भी न्याय नहीं मिला। पीड़ित के अनुसार, 10 अगस्त 2024 को उनके साथ मारपीट की गंभीर घटना हुई थी, जिसमें उन्हेंकई चोटें आईं और उनका हाथ तक टूट गया। बताया कि मैंने कई बार शिकायत की,लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। मेरा पूरा परिवार परेशान है, हमेंन्याय चाहिए। फरियादी का कहना है कि उन्होंने संबंधित थाने से लेकर पुलिस अधिकारियों तक गुहार लगाई लेकिन अब तक उन्हें राहत नहीं मिली है।

प्रमोद शर्मा ने प्रदेश प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा

रीवा। आम आदमी पार्टी ने मध्यप्रदेश संगठन में विस्तार करते हुए रीवा निवासी प्रमोद कुमार शर्मा को पार्टी का प्रदेश प्रवक्ता (मध्यप्रदेश) नियुक्त किया था। पार्टी के प्रदेश प्रभारी द्वारा जारी आदेश में यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी। शुक्रवार को प्रमोद शर्मा ने प्रदेश प्रवक्ता पद से व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के सिद्धांत ईमानदारी, पारदर्शिता और जनहित की राजनीति को आगे बढ़ाते हुए वे प्रदेश में पार्टी की नीतियों और विचारों को जनता तक पहुंचाने का कार्य पूरी निष्ठा के साथ व्यक्तिगत कारणों से नहीं पंहुचा पर रहा हूँ अत: इस पद से अपना इस्तीफा पार्टी शीर्ष नेतृत्व को भेज रहा हूं।

[कार्रवाई] कठघरे में जलजीवन मिशन के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता: संविदाकार की तय नहीं हुई जबावदेही

पानी टंकी ध्वस्त होने का मामला, प्रभारी सहायक यंत्री सस्पेंड

■ प्रमुख अभियंता ने जारी किया आदेश

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा। जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत एकल ग्राम नलजल योजना में नईगढ़ी ब्लॉक के खटखरी ग्राम में बनाई गई 75 किलोमीटर क्षमता वाली आरसीसी पानी की टंकी परीक्षण दौरान ध्वस्त हो गई। टंकी आधारित योजना अभी ग्राम पंचायत को हस्तांतरित नहीं हुई है और टंकी की गुणवत्ता परीक्षण के लिए भरे गए पानी को बर्दाश्त नहीं कर पाई। टंकी के धराशायी होने से शासन को क्षति (वित्तीय हानि) हुई है। इस मामले में ए.पी. तिवारी मूलपद उपयंत्री व प्रभारी सहायक यंत्री उपखण्ड त्योंथर की जबावदेही तय की जाकर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन की कार्रवाई प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यालय भोपाल द्वारा की गई। प्रभारी कार्यपालन यंत्री खण्ड मऊगंज के प्रस्ताव पर प्रमुख अभियंता संजय कुमार ने त्वरित एक्शन ले लिया। मामले की प्रकृति अति गंभीर है। प्रमुख अभियंता ने माना है कि टंकी के धराशायी होने से शासन को वित्तीय हानि तथा विभाग की क्षति धूमिल हुई है। इसके लिए प्रभारी सहायक यंत्री ए.पी. तिवारी की शासकीय कार्यों के निष्पादन में घोर लापरवाही, कर्त्तव्यों का समुचित निर्वहन न करना एवं उदासीनता को जिम्मेदार ठहराया गया है। निलंबन अवधि में प्रभारी सहायक यंत्री तिवारी का मुख्यालय कार्यालय अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रीवा मण्डल रीवा निर्धारित किया गया है। गत शुक्रवार को जारी हुए निलंबन आदेश में प्रमुख अभियंता ने लेख किया है कि विकासखण्ड नईगढ़ी के ग्राम खटखरी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत एकल ग्राम नलजल योजना की मूल लागत 75.19 लाख एवं योजना की पुनरीक्षित लागत 121.42 लाख रुपए (1 करोड़ 21 लाख 42 हजार रुपए) स्वीकृत है।

योजना के तहत 75 केएल क्षमता वाली आरसीसी उच्च स्तरीय टंकी का निर्माण संविदाकार शिवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा कराया जा रहा है। निर्माणाधीन टंकी का कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण होकर परीक्षण के दौरान 27 मार्च 2026 को ध्वस्त हो गई। प्रमुख अभियंता ने पूरी योजना की लागत का उल्लेख किया है किन्तु टंकी की लागत को स्पष्ट नहीं किया है। इतना ही नहीं संविदाकार की भी फिलहाल जबावदेही तय नहीं की गई है। गंभीर मामला है फलस्वरूप सबको मालूम है कि संविदाकार को भी नोटिस जारी होगा और स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

समस्त स्वीकृत योजनाओं के गुणवत्ता की जांच जरूरी

गौरतलब है कि खटखरी ग्राम में जल जीवन मिशन की पानी टंकी का परीक्षण में ही जमींदोज हो जाना सिर्फ खटखरी गांव की एकल ग्राम नलजल योजना की गुणवत्ता का सवाल नहीं है बल्कि रीवा-मऊगंज जिले के भीतर जल जीवन मिशन के तहत जितनी भी स्वीकृत योजनाएं हैं, उनका हस्तांतरण हो गया हो या फिर योजनाएं प्रगतिरत हों, एक तरफ से उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है। हालांकि जल जीवन मिशन के कार्य अपने निर्धारित समय से इतने पीछे चल रहे हैं कि सरकार स्वत: जांच संस्थित करके योजनाओं को और पीछे धकेलना नहीं चाहेगी, इसलिए उच्च स्तरीय जांच की संभावना क्षीण है। बहुत होगा तो स्थानीय स्तर से या फिर विभाग द्वारा जांच की रस्मअदायगी कर दी जाएगी, ताकि यह कहने को हो जाए कि जांच कराई गई? खटखरी गांव में पानी टंकी का भरभराकर गिर जाना ही उसकी घटिया गुणवत्ता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जांच में योजना में इस्तेमाल सामग्री पाइप आदि की गुणवत्ता को शामिल जरूर किया जा सकता है। रीवा-मऊगंज जिले के अधिकारियों और ठेकेदारों के पेट इतने बड़े और उनकी पाचन शक्ति इतनी जबर्दस्त है कि बड़ी-बड़ी योजनाओं को समूल खा सकते हैं। प्रत्येक विभाग की जितनी भी महती योजनाएं-परियोजनाएं हैं, सभी में भ्रष्टाचार के छेद मिलेंगे। पीएचई विभाग रीवा के ही माथे पर 126 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाले का कलंक लगा हुआ है। यह भी सुनिश्चित है कि वक्त के साथ-साथ यह घोटाला भी ठंडे बस्ते में चला जाएगा? शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संसाधन, पीडब्ल्यूडी, पीडब्ल्यूडी ईएंडएम, आदि तमाम ऐसे विभाग हैं जो घोटालों के जनक-जननी दोनों हैं। पीएचई विभाग भला पीछे कैसे रह सकता है?

पंचगव्य से नहाए हुए हैं क्या?

खटखरी गांव की ध्वस्त पानी की टंकी का मामला, जिसमें उपयंत्री (प्रभारी सहायक यंत्री) ए.पी. तिवारी नप गए, के संबंध में सूत्र बताते हैं कि इस प्रकरण में अगर प्रभारी सहायक यंत्री तिवारी की जबावदेही है तो जबावदेही प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय की भी तय होना चाहिए, क्योंकि स्वीकृत योजना के तहत निर्माण कार्य खटखरी ग्राम में शुरू हुआ था तथा ठेकेदार को प्रारंभिक भुगतान तक की अवधि में त्योंथर उपखण्ड के सहायक यंत्री स्वत: संजय पाण्डेय रहे हैं। अब तो पूरे जिले में उनका रौबगालिब हो रहा है। सूत्रों के अनुसार मऊगंज जिले में पीएचई विभाग में मऊगंज एवं त्योंथर दो सबडिवीजन हैं। मऊगंज उपखण्ड में मऊगंज एवं हनुमना ब्लाक आते हैं तथा उपखण्ड त्योंथर में त्योंथर एवं नईगढ़ी ब्लॉक शामिल हैं। वैसे तो त्योंथर क्षेत्र रीवा जिले के क्षेत्राधिकार में आता है। उपयंत्री ए.पी. तिवारी (अब निलंबित) के पूर्व संजय पाण्डेय ही त्योंथर उपखण्ड में पहले उपयंत्री के रूप में कार्यरत रहे, बाद में पदोन्नत होकर सहायक यंत्री बन गए। सूत्रों का कहना है कि भुगतान के पूर्व किसी भी कार्य का परीक्षण व सत्यापन अत्यावश्यक है, किन्तु यहां ठेकेदार को आंख मूंदकर भुगतान कर दिया गया। यदि निर्माण कार्य का परीक्षण व सत्यापन पूर्व में किया गया था तो अब टंकी कैसे धराधायी हो गई? सूत्रों से इतर इस बात की जांच आवश्यक है कि खटखरी एकल ग्राम नलजल योजना के तहत टंकी निर्माण कार्य के आरंभिक काल के वक्त वर्ष 2023 तक संजय पाण्डेय सहायक यंत्री उपखण्ड त्योथर थे या नहीं? संविदाकार शिवेन्द्र कुमार तिवारी को उनके द्वारा भुगतान किया गया अथवा नहीं? सच-झूठ का फैसला कार्यालयीन रिकॉर्ड से संभव होगा। यहां सुलगता सवाल है कि प्रभारी कार्यपालन यंत्री खण्ड मऊगंज एवं तत्कालीन सहायक यंत्री उपखण्ड त्योंथर संजय पाण्डेय क्या वास्तव में पूरी तरह निर्दोष है, पंचगव्य से नहाए हुए हैं, या फिर उन्होंने किसी भी प्रकार के आरोपों की आंच से बचाव के लिए दोष का सारा ठीकरा ए.पी. तिवारी के सर फोड़ दिया है?

मनगवां पुलिस ने पकड़ा चोरी का आरोपी, माल बरामद

रीवा, नगर संवाददाता।

मनगवां पुलिस ने चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजदिया गया है। शुक्रवार की दोपहर अरोपी ने घर में घुसकर चोरी की थी,जिसमें सोने व चांदी के जेवरात सहित अन्य समान चोरी कर लिया था। पुलिस नेचोरी किया गया माल भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने यह कार्यवाही चोरी केचंद घंटो के भीतर कर खुलासा कर दिया। शुक्रवार को रानी पटेल पति शिवसेवक पटेल उम्र 33 वर्ष निवासी मिसिरगवां थाना मनगवां ने शिकायत कर बताया थाकि शुक्रवार की दोपहर ही लगभग 1 बजे वह और घर के सभी लोग गांव के हीमंदिर में भंडारे का प्रसाद लेने गये हुए थे। जब घर वापस लौटकर आये तो देखे की घर का ताला टूटा हुआ था घर के भीतर सारा सामान विखरा हुआ था व कमरे में रखी लोहे की पेटी का ताला भी टूटा हुआ था। पेटी के भीतर रखेसोने का मंगल सूत्र, चांदी की पायल, चांदी की बिछिया, रेडमी कंपनी का आसमानी कलर का स्क्रीन टच मोबाइल कुल कीमती लगभग 60 हजार रूपये व कुछ पैसे गायब थे। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया व प्रकरण में चोरी गया मोबाईल चालू होने की स्थिति में तत्काल सायबर सेल रीवा की मदद से थाना स्तर पर तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुये पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश की गई। जो दस्तयाब हुआ जिससे पूछताछ कीगई जो घटना कारित करना स्वीकार किया व आरोपी के कब्जे से चोरी गये सोना/चांदी के जेबरात व मोबाईल जप्त किया जाकर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी की पहचानसुन्दरम यादव पिता रामशरण यादव उम्र 25 वर्ष निवासी पहाड़ीपुर थाना सराय ईनायत जिला प्रयागराज उप्र के रूप में हुई है।

दूसरी पत्नी के साथ ससुराल में कब्जे को लेकर

दामाद ने सास-ससुर को पीटा, गंभीर

■ गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र की घटना

रीवा, नगर संवाददाता।

जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र से एक गंभीर मारपीट की घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दमाद ने परिवारिक विवाद में सास-ससुर से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बेटी के मौत के बाद भी दूसरा विवाह कर दमाम ससुराल में कब्जा जमाए हुआ था।

बताया जा रहा है कि छोटेलाल साकेत की बेटी की शादी करीब 2 साल पहले सुनील साकेत से हुई थी, जिसकी एक सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद दामाद सुनील साकेत ने किरण साकेत के साथ दूसरी शादी कर ली। शादी के बाद से ही दामाद अपनी नई पत्नी के साथ सास-ससुर के घर में रह रहा था। पीड़ित छोटेलाल साकेत ने आरोप लगाया है कि दमाद और उसकी पत्नी आए दिन उनके साथ विवाद और मारपीट करते थे। आरोप है कि बीते दिन विवाद इतना बढ़ गया कि दमाद ने लाठी-डंडों और पत्थरों से सास-ससुर पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में छोटेलाल साकेत और उनकी पत्नी विमला साकेत गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस जांच जारी है।

अमरपाटन में गैस की होम डिलीवरी बंद

■ गैस के लिए दिन-दिन भर लाइन में लगे रहते लोग

■ आपदा बना अवसर भुनाने में लगी एजेंसी

अमरपाटन। इन दोनों रसोई गैस की किल्लत चारों तरफ दिखाई देती है लेकिन अमरपाटन में इसकी ज्यादा की कीमत दिखाई पड़ती है लोग इसी भरी गर्मी में दिन दिन भर लाइन लगाए खड़े रहते हैं लेकिन जब नंबर आता है तब 'गैस खत्म हो गए 'जवाब मिलता अगले दिन आईये अगले दिन व्यक्ति फिर अपना काम काज छोड़कर पुनः लाइन में लगे। जहां एक और भारत सरकार द्वारा टीवी आदि में कहा जाता है कि अफवाह पर ध्यान ना दें देश में गैस डीजल पेट्रोल की कोई कमी नहीं है लेकिन हकीकत क्या है की अमरपाटन में रसोई गैस की विकराल संकट है। देश में जहां होम डिलीवरी चालू है वही अमरपाटन में से होम डिलीवरी बंद है जवाब कोई नहीं है जबकि होम डिलीवरी का चार्ज लिया जाता है। अमरपाटन नगर में एकलौती मानसी गैस एजेंसी है चूंकी अमरपाटन से 50 गांव लगे हैं। गांव के लोगों को दिन के अंत में निराशा ही हाथ लगती है। यह एजेंसी महिला के नाम से है लेकिन संचालक उनके पति जो भी है करता है इसके नियम अपने खुद ही हैं भारत गैस के नियम फालो नहीं होते। अमरपाटन का प्रशासन भी इसकी हरकतों एवं अव्यवस्था पर ध्यान नहीं देता। आम आदमी को गैस नहीं मिलती लेकिन होटल ठेला वालों को कहां से उपलब्ध हो रही गैस।

ईशा, श्रीकृष्णा, शुक्ला एग्रीटेक, शांभवी फूड और स्वधा एग्रो इंडस्ट्रीज ने की शिकायत

एफसीआई और नान के बीच दो पाटन में पिस रहे राइस मिलर

■ आफत बना स्टैकिंग भुगतान, जिला प्रबंधक ने मण्डल प्रबंधक को लिखा पत्र

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा-मऊगंज जिले के राइस मिलर्स भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) तथा नागरिक आपूर्ति निगम (नान) के दो पाटन के बीच पिस रहे हैं। मिलर्स एफसीआई द्वारा थोपे गए स्टैकिंग भुगतान के बोझ से परेशान हैं और उसको लेकर जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम रीवा दरख्वास्त करते हुए अपने ऊपर आर्थिक अन्याय होने का आरोप लगा रहे हैं। रीवा-मऊगंज जिले के कतिपय मिलर्स ईशा इंडस्ट्रीज राइस मिल, श्रीकृष्णा इंडस्ट्रीज राइस मिल, शुक्ला एग्रीटेक राइस मिल, शांभवी फूड राइस मिल एवं स्वधा एग्रो इंडस्ट्रीज द्वारा प्रस्तुत आवेदन के माध्यम से जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम (म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड) को स्टैकिंग भुगतान मामले में विद्यमान विसंगतिपूर्ण स्थिति से अवगत कराए जाने के पश्चात् जिला प्रबंधक कमलेश ताण्डेकर द्वारा एफसीआई के मण्डल प्रबंधक सतना से पत्राचार किया गया है किन्तु उनकी कार्यप्रणाली को देखकर पत्राचार औपचारिकता मात्र लग रहा है? मिलर्स का कहना है कि वर्ष 2024-25 में खरीफ विपणन वर्ष के दौरान भारतीय खाद निगम के गोदामों में मिलिंग उपरांत चावल जमा करने के लिए स्टैकिंग चार्ज के भुगतान की जिम्मेदारी एफसीआई ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार थी। एफसीआइ के आदेशानुसार स्टैकिंग चार्ज का भुगतान एफसीआई के अनुबंधित ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार द्वारा किया जाना था, मिलर्स केवल डम्पिंग चार्ज देने के लिए उत्तरदायी थे। परंतु खेद का विषय है कि मिलिंग वर्ष 2024-25 में एफसीआई ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार द्वारा स्टैकिंग चार्ज का भुगतान राइस मिलरों को नहीं किया गया। फलस्वरूप राइस मिलर्स को विवश होकर स्टैकिंग चार्ज का भुगतान स्वयं करना पड़ा। उक्त भुगतान की राशि मिलर्स को वापस नहीं की गई, जो मिलरों के साथ गहरा आर्थिक अन्याय है। आवेदन में बताया गया कि ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार द्वारा एफसीआई से स्टैकिंग का भुगतान प्राप्त कर लिया गया लेकिन मिलरों को नहीं दिया गया।

फिर वसूली जा रही मिलरों से राशि

मिलर्स की ओर से प्रस्तुत आवेदन में बताया गया कि मिलिंग वर्ष 2025-26 में भी पूर्व वर्ष के कमोवेश स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस वर्ष भी एफसीआई ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार द्वारा स्टैकिंग चार्ज का भुगतान मिलर्स को नहीं किया जा रहा है लिहाजा राइस मिलरों को पुनः अपनी ही जेब से स्टैकिंग चार्ज वहन करने पर विवश किया जा रहा है जो पूर्णतः अनुचित एवं एफसीआई के आदेशों के विपरीत है। एफसीआई का स्पष्ट आदेश है कि स्टैकिंग चार्ज का भुगतान एफसीआई ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार का दायित्व है, न कि मिलर का। मिलरों ने वर्ष 2024-25 में भुगतान की गई स्टैकिंग चार्ज की राशि को वापस दिलाने तथा वर्ष 2025-26 में यह व्यवस्था सुनिश्चित करने कि मिलरों से राशि वसूली बंद हो, सहित अन्य कई मांग की है। जानकारी में आया है कि एफसीआई ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार की ओर से स्टैकिंग भुगतान नहीं होने की दशा में विवशता वश मिलरों को भुगतान करना पड़ता है। मिलर्स से 2200 रुपए प्रति लॉट के मान से स्टैकिंग चार्ज वसूला जाता है जिसका भुगतान एफसीआई द्वारा ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार को कर दिया जाता है लेकिन जब मिलर ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार से राशि की मांग करते हैं तो उन्हें 2200 रुपए के विरुद्ध सिर्फ 580 रुपए देने की बात कही जाती है। ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार की साफगोई होती है कि एफसीआई उनको 580 रुपए की की दर से ही स्टैकिंग चार्ज देता है।

2200 के एवज में 580 रुपए की पेशकश

कहा जा रहा है कि मिलर्स के आवेदन पर जिला प्रबंधक नान कमलेश ताण्डेकर ने मण्डल प्रबंधक भारतीय खाद्य निगम सतना को पत्र बेशक लिख दिया है लेकिन मिलरों की समस्या के पक्ष में एफसीआई पर वे दबाव नहीं बना पाएंगे। आपको बता दें कि जब मिलर्स धान मिलिंग से प्राप्त चावल को जमा करने एफसीआई के गोदाम में पहुंचते हैं तो पहले एफसीआई की ओर से चावल की सेम्पलिंग की जाती है। सेम्पलिंग के लिए चावल को पहले प्लेटफार्म पर डम्पिंग करना होता है। डम्पिंग चार्ज का भुगतान मिलर्स द्वारा किए जाने का नियम है किन्तु सेम्पलिंग उपरांत जब चावल के बोरियों को गोदाम के भीतर जमा करना होता है उसका चार्ज एफसीआई ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार को करना चाहिए। किन्तु ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार की हीलाहवाली के कारण मिलरों को यह सोच कर भुगतान करना पड़ जाता है कि चावल जमा करने-कराने का कार्य प्रभावित न हो। एफसीआई ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार को ही स्टैकिंग चार्ज का भुगतान करता है।

प्रमुख सचिव व महाप्रबंधक, प्रबंध संचालक को भेजी गई शिकायत

खबर है कि रीवा-मऊगंज के मिलरों ने डीएम नान को अपनी जिस समस्या का शिकायती आवेदन दिया है उसकी प्रतिलिपि प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, महाप्रबंधक एफसीआई भोपाल, प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति निगम भोपाल, महाप्रबंधक मिलिंग नागरिक आपूर्ति निगम भोपाल सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर दी है। डीएम नान ताण्डेकर मिलरों की उम्मीद की कसौटी पर कितना खरा उतरेंगे यह तो वक्त ही बताएगा? जब से इन महाशय को नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक की कुर्सी का अतिरिक्त प्रभार मिला है तब से विभागीय व्यवस्था और भी डगमग हो गई है। मूल विभाग (फूड) को ही ये संभाल लें तो गनीमत है। अगर इनके कामकाज से जिला प्रशासन संतुष्ट होता तो समय-समय पर इनको दम न देता? माना कि जो लोग चिकने घड़े के स्वभाव के होते हैं उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता है, अब यदि जिला प्रबंधक अपनी कार्यप्रणाली को सुधारने में अक्षम साबित हो रहे हैं, तो उन पर भी प्रश्नचिन्ह तग सकता है।

नल जल योजना के बारे में दी बिस्तरित जानकारी

रामपुर बाघेलान। मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित सतना के द्वारा चलाई जा रही सतना बाणसागर परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना विकासखंड रामपुर बाघेलान में आईं एस एयूपी इंडस्ट्रियल कंसलटेंट लिमिटेड रामपुर बाघेलान सतना के द्वारा ग्राम पंचायत सराय, बीदा, अतरहरा, मझियार के ग्राम किटहा और ग्राम पंचायत करमऊ में ग्रामीण जनों को नल जल योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस जल दिवस सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और ग्रामीण महिलाओं और संस्था की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर, पीसी-1 पीसी-2, कम्युनिटी मोबिलाइजर उपस्थित रहे है। इस बैठक का आयोजन मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जनों को नल जल योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देना और बताया गया की स्वच्छ एवं शुद्ध मीठे जल का उपयोग करेंगे तो पानी से संम्बधित बीमारियों को कम किया जा सकता है।

वन विभाग में 10 करोड़ के घोटाले का आरोप

■ शिकायतकर्ता को धमकी, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

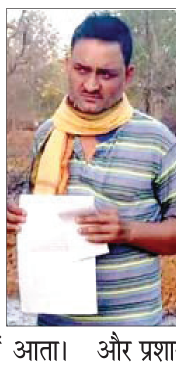

रीवा, नगर संवाददाता।

चित्रकूट कर्वी रेंज में वन विभाग से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। जिसने प्रशासनिक तंत्र और विभागीय कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि वर्ष 2021 से 2025 के बीच वृक्षारोपण एवं अन्य वन विकास कार्यों में करीब 10 करोड़ रुपये की अनियमितताएं की गई हैं मामले को लेकर स्थानीय निवासी अनिल कुमार मिश्रा ने खुलकर शिकायत करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पीड़ित के अनुसार क्षेत्रीय वनाधिकारी और संबंधित कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण गड्ढा खुदाई, झाड़ी सफाई जैसे कार्यों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई है। आरोप है कि कई कार्य केवल कागजों पर पूरे दिखाए गए जमीनी स्तर पर कार्य या तो अधूरे हैं या बिल्कुल नहीं हुए, जिन स्थानों पर लाखों रुपये खर्च दिखाए गए वहां वास्तविक काम नजर नहीं आता। इससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका और मजबूत होती है।

शिकायत के बाद कार्रवाई नहीं उल्टा दबाव अनिल कुमार मिश्रा का कहना है कि उन्होंने इस मामले में कई बार संबंधित अधिकारियों और शासन-प्रशासन को लिखित शिकायतें दीं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई इतना ही नहीं शिकायत करने पर उन्हें डराया-धमकाया गया शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। यहां तक कहा गया कि शिकायत करने से कुछ नहीं होगा।पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दबंग दरोगा और वनकर्मी मिलकर शिकायत को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे मामला और गंभीर हो गया है। सरकार और प्रशासन पर उठे सवाल इस पूरे घटनाक्रम के बाद कई अहम सवाल सामने आ रहेहै। क्या प्रदेश में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के दावों के बावजूद जमीनी हकीकत अलग है। कर्मचारियों को कार्रवाई का डर नहीं है। शिकायतकर्ता को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। क्या स्थानीय स्तर पर मिलीभगत के चलते मामला दबाया जा रहा है।पीड़ित का कहना है कि सरकार बदलने के बाद भी अधिकारियों के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया जिससे आम जनता का भरोसा प्रभावित हो रहा है। मामले के उजागर होने के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला जिले के सबसे बड़े वन घोटालों में से एक हो सकता है।

पीड़ित ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, शिकायतकर्ता को सुरक्षा प्रदान की जाए, मानिकपुर का यह मामला न केवल वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि यदि शिकायतकर्ताओं को ही धमकाया जाएगा तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना और कठिन हो जाएगा।

संपादकीय

परमाणु रिसाव हुआ तो?

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने गत दिनों आपात बैठक भी की, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर 'मेल्टडाउन' हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये 'संहारी संयंत्र' नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं? अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवर्द्धन को 3-5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। अमरीका-इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद् स्थितियों को भूले नहीं होंगे। हिरोशिमा के बम-हमले में अनुमानतः 1,40,000 लोग और नागासाकी में करीब 74,000 लोग मार दिए गए। करीब 38,000 मासूम बच्चे भी बेमौत मारे गए। इससे वीभत्स, बर्बर, त्रासद् सामूहिक नरसंहार कोई दूसरा नहीं है। आज दुनिया में अमरीका के अलावा, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी से लेकर भारत और पाकिस्तान तक परमाणु हथियारों वाले देश हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किस-किस देश के परमाणु कार्यक्रम को रोक पाए? यह ठेकेदारी अमरीका की नहीं है। यह भी देशों की संप्रभुता से जुड़ा विषय है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

धोखेबाज पाकिस्तान की कुंडली

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पश्चिम एशिया में संकट पर केन्द्र द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सरकार ने देश में पर्याप्त तेल और गैस भंडार होने और स्थिति नियंत्रण में होने का भरोसा दिया। विपक्षी दलों ने संकट के इस दौर में सरकार के साथ एकजुटता व्यक्त की लेकिन साथ ही उसने अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में पाकिस्तान की मध्यस्थता की भूमिका पर चिंता जताई। विपक्ष की चिंताओं का जवाब देते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान पर तीखा व्यंग्य कसते हुए कहा कि भारत वैश्विक भूराजनीति में 'दलाल राष्ट्र' के रूप में कार्य नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान की नौटंकी नई नहीं है और यह 1981 से जारी है। अमेरिका वर्षों से तेहरान के साथ सम्पर्क बनाए रखने के लिए इस्लामाबाद का इस्तेमाल एक चैनल के रूप में करता आया है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणियां ऐसी खबरों के बाद आई हैं जब पाकिस्तान वाशिंगटन और तेहरान के बीच संदेशों को सक्रिय रूप से पहुंचाने की भूमिका निभा रहा है। अमेरिका ने ईरान को 15 सूत्री प्रस्ताव भी पाकिस्तान के माध्यम से ही भेजा है। यद्यपि ईरान ने अमेरिका के 15 सूत्री प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के इतिहास के पन्ने पलटें तो उसका पूरा इतिहास धोखे और दलाली से भरा हुआ है। पाकिस्तान अलग राष्ट्र बनने के बाद से ही दलाली करता आया है। जब-जब पाकिस्तान ने शांति दूत का चोला पहना तब-तब दुनिया ने खून-खराबा और विश्वासघात देखा है।

कई रक्षा विशेषज्ञों ने समय-समय पर पाकिस्तान के दोगलेपन की ऐसी कहानियां सुनाई हैं जिससे पूरी दुनिया हैरान रह जाती है। यही कारण है कि आज पाकिस्तान पर कोई भी देश भरोसा नहीं करता। पाकिस्तान ने हमेशा ही अपने आवाम को धोखे में रखा और उसके हुक्मरानों ने अपने ही देशको जमकर लूटा। उसके धोखे का शिकार पड़ोसी देश भी हुए। 9/11 के हमले के बाद जब अमेरिकी राष्ट्रपति बुश पर युद्ध उन्माद छाया हुआ था और अमेरिका ने पाकिस्तान को तालिबान से अलग न होने पर उसे पत्थर युग में वापिस भेजने की धमकी दी थी, तब तत्कालीन पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने यू-टर्न लेकर अमेरिका की गोद में बैठना बेहतर समझा था। अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में आतंकवाद की खेती करने वाले पाकिस्तान को अपना साथी बना लिया। यह कितना हास्यास्पद था कि एक जेहादी देश को आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में आगे कर दिया गया। जबकि अमेरिका जानता था कि ट्विन टॉवर पर हमला करने वाले आतंकवादियों में कुछ को ट्रेनिंग भी पाकिस्तान ने ही दी थी। अमेरिका ने अफगानिस्तान पर धावा बोल दिया और आतंकवाद से लड़ने के लिए पाकिस्तान पर डॉलरों की बरसात कर दी। पाकिस्तान ने एक तरफ अमेरिकी डॉलरों का इस्तेमाल आतंकवाद को सींचने के लिए किया तो दूसरी तरफ अमेरिका को धोखे में रखकर तालिबान को संरक्षण दिया। अमेरिका चाहता तो पाकिस्तान को मरघट में बदल सकता था, पर अमेरिका को लगता था कि अफगानिस्तान में ओसामा बिन लादेन और अन्य से प्रतिशोध के लिए उसे पाकिस्तान की जरूरत है। 20 वर्ष तक अमेरिका तोरा-बोरा की पहाड़ियों में खाक छानता रहा, उसे कुछ हासिल नहीं हुआ। पाकिस्तान दोहरापन अपनाता रहा। अफगानिस्तान में अमेरिकी विफलता का कारण पाकिस्तान ही रहा। अंततः अमेरिका ने पाकिस्तान के एबटाबाद में छिपे ओसामा बिन लादेन को मार डाला। तब अमेरिका को अहसास हुआ कि लादेन को अपने यहां छिपाने वाले पाकिस्तान का सच क्या है। रक्षा विशेषज्ञ मेजर गौरव आर्या ने 2020 के यूएस-तालिबान दोहा शांति समझौते का जिक्र करते हुए पाकिस्तान की गद्दारी की कुंडली खोली। उन्होंने बताया कि आज तालिबान पाकिस्तान से इतनी नफरत क्यों करता है। पाकिस्तान ने तालिबान के शीर्ष नेता मुल्ला बरादर को शांति वार्ता के नाम पर पाकिस्तान बुलाया। कहा गया कि पाकिस्तानी सबसे मेहमाननवाज कौम हैं लेकिन जब मुल्ला बरादर वहां पहुंचा, तो पाकिस्तानियों ने उसे 9 साल तक जेल में बंद रखा और बेरहमी से टॉर्चर किया। मेजर ने बताया कि तालिबान नेतृत्व इस धोखे को कभी नहीं भूला। तालिबान के एक पूर्व राजदूत ने अपनी किताब में पाकिस्तानियों को 'दो-मुंहे' लोग कहा है, जिनकी जुबान पर कुछ और होता है और दिल में कुछ और।

पाकिस्तान ने सोचा था कि अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनवाकर वह वहां अपना पांचवां सूबा (राज्य) स्थापित कर लेगा और वहां की सत्ता को रिमोट कंट्रोल से चलाएगा लेकिन हुआ इसका ठीक उल्टा। आज वही तालिबान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का खुलकर समर्थन कर रहा है और टीटीपी के आतंकी पाकिस्तान की सेना को उन्हीं की जमीन पर गाजर-मूली की तरह काट रहे हैं। जो पाकिस्तान दूसरों के लिए गड्ढा खोद रहा था, आज वह खुद उसमें गिरकर लहूलुहान है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता के पीछे पाकिस्तान का अपना एक डर भी है। पाकिस्तान फौज के अन्दर एक बड़ी संख्या शिया मुसलमानों की है। ईरान के लिए ये शिया सैनिक बहुत मायने रखते हैं और पाकिस्तान इस बात को लेकर खौफ में है। पाकिस्तानी हुक्मरानों को डर है कि अगर उन्होंने अमेरिका के दबाव में आकर ईरान के खिलाफ कोई भी कदम उठाया, तो पाकिस्तानी फौज के अंदर मौजूद शिया सैनिक अपनी ही स्टेट (सरकार) के खिलाफ हथियार उठा सकते हैं। यह पाकिस्तान के लिए एक गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा कर देगा। अब पाकिस्तान की हालत एक ऐसे 'चुंगी नाके' जैसी है जो दूसरों के झगड़े में अपनी कमीशन (10-5 प्रतिशत) ढूंढ रहा है। न उसकी कोई क्रेडिबिलिटी है, न कोई हैसियत।

हैरानी की बात तो यह है कि पाकिस्तान के साथ तुर्की और मिस्र भी मध्यस्थता के दावे कर रहे हैं, जबकि मिस्र ईरान से नफरत करता है और तुर्की भी ईरान का विरोधी है। तुर्की वही देश है जिसने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को ड्रोन दिए थे। पाकिस्तान ने 1971 में बांग्लादेश में जो नरसंहार किया था उसे आज तक बांग्लादेश की जनता भूल नहीं पाई। पाकिस्तान की आर्थिक हालत किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान सेना के प्रमुख असिम मुनीर पिछले एक साल से ट्रम्प की चमचागिरी कर रहे हैं और उनसे 'डील' ही कर रहे हैं। वह अमेरिका का पिछलग्गू बनकर फिर से मदद चाहता है ताकि उसके एल्युमिनियम भीख के कटोरे में डॉलर डाल दिये जाएं। पाकिस्तान खुद लहूलुहान है, वह क्या किसी की मदद कर सकता है।

अनुशासन से आई चुस्ती

संतोष उत्सुक

बाल कहानी

शेखू को कई साल तक यह पता नहीं था कि उसका नाम ऐतिहासिक है। बचपन से उसे राजकुमारों की तरह एक टांग मोड़कर उस पर दूसरी टांग टिकाकर हाथ में दूध की बोतल पकड़कर आराम से दूध पीने की आदत रही। धीरे धीरे बड़ा हुआ तो उसकी आदतों में आलस शुमार होने लगा। स्कूल में सहपाठियों ने उसके नाम का अर्थ पूछा तो उसे पता नहीं था। उसने अपने पापा से पूछा तो बताया कि तुम्हारा नाम महान कहे जाने वाले मुगल सम्राट अकबर के बेटे सलीम के नाम पर है। सलीम को घर में प्यार से शेखू पुकारा जाता था। शेखू यह सुनकर बहुत खुश हुआ और उसके दोस्त बोले, क्या नाम है तुम्हारा वाह!

शेखू मेहनती व होशियार लड़का था। स्कूल में भाषण प्रतियोगिता होनी थी। पुरस्कारों में महंगे उपहार मिलने थे। सब विद्यार्थी उत्साहित थे। अपने अध्यापक के कहने पर शेखू ने भी प्रतियोगिता में नाम लिखवा दिया। पापा की मदद से उसने अच्छी प्रभावशाली शब्दावली वाला भाषण तैयार कर लिया। उधर दूसरे प्रतियोगी भी तैयारी में जुटे थे सबकी नज़र बढ़िया पुरस्कारों पर थी। पापा ने समझाया कि तुम अपना भाषण निश्चित समय में खत्म करने के लिए सही स्पीड से बोलना। प्रतियोगिता के दिन वह अच्छी तैयारी करकर आया था। उसके बोलने के तरीके व सही उच्चारण की सभी ने तारीफ़ की। खूब तालियाँ बटोरीं उसने पर एक गड़बड़ कर दी। भाषण धीमी रफ़्तार से दिया तभी उसे निश्चित अवधि से ज्यादा समय लग गया। मुख्य निर्णायक ने निर्णय सुनाने से पहले कहा कि शेखू की प्रस्तुति सर्वोत्तम थी उसे प्रथम पुरस्कार मिलता यदि उसने अपना बढ़िया भाषण निश्चित समय में पूरा कर लिया होता। उसे दूसरा पुरुस्कार मिला। शेखू जब घर लौटा तो उसके दिमाग में पहली बार कुछ चल रहा था। उसने मम्मी पापा को बताया तो उन्होंने अगली बार चुस्ती से प्रयास करने को प्रेरित किया।

अपने कमरे में जाकर आँखें मीचकर वह कुछ देर अकेला बैठा रहा फिर एक कागज़ पर बार बार कुछ लिखता रहा। कुछ देर बाद उसके पापा ने आकर उसे प्यार से समझाया कि यूं उदास हो जाने से कुछ नहीं होगा। घबराओ मत यह तो आपके जीवन की पहली प्रतियोगिता थी। अभी तो तुमने सैकड़ों प्रतियोगिताओं में शामिल होना है। जीवन एक प्रतियोगिता है जिसमें जीत हार तो चलती रहती है। तुम्हें अपने आप से वायदा करना है कि तुम सुस्ती छोड़ दोगे और अपने सभी प्रयास पूरी मेहनत, निश्चित समय में तत्परता से करोगे। शेखू ने नीची नज़र कर वह कागज़ पापा को थमा दिया था। जिस पर सुन्दर शब्दों में सौ बार लिखा हुआ था, पापा अब मैं सुस्ती नहीं करूंगा। उसकी आँखों में निश्चय की चमक थी वह बदल चुका था। पापा ने उसे एक घड़ी उपहार में दी और कहा यह लो कल से अलार्म लगाकर उठना और अपना वादा निभाना। अगली सुबह सचमुच अच्छी रही शेखू ने अलार्म बजते ही बिस्तर छोड़ दिया था और कुछ देर व्यायाम के बाद पढ़ने बैठ गया था। उसके जीवन में चुस्ती प्रवेश कर चुकी थी।

धार्मिक स्थलों को क्यों नही मिलती बंदरों से मुक्ति

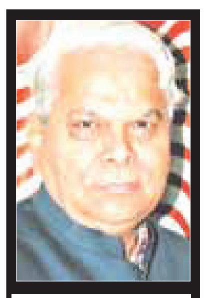

अशोक मधुप

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

धार्मिक स्थलों को बंदरों से क्यों नही मिलती मुक्ति। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इन स्थानों पर आने वाले श्रृद्धालु कब तक इनके आंतक झेलते रहेंगे? कब तक इनका शिकार होते रहेंगे?

हाल में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने कार्यकाल में 19 मार्च को वृंदावन आईं। वे दूसरी बार यहां आईं है। इससे पहले इसी पद पर रहते हुए प्रणब मुखर्जी व रामनाथ कोविंद भी अपने कार्यकाल में दो बार वृंदावन आए थे। लेकिन, राष्ट्रपति मुर्मु वृंदावन के तीन दिवसीय प्रवास पर आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्रप्रसाद, ज्ञानी जैल सिंह एक बार वृंदावन आए। उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए डॉक्टर शंकरदयाल शर्मा, आर वेंकटरामन, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी वृंदावन अपनी धार्मिक यात्रा पर आ चुके हैं।

निवर्तमान राष्टपति रामनाथ कोविंद भी दो बार वृंदावन आए। आश्रय सदन में वृद्ध विधवा माताओं से मुलाकात करने आए थे। राष्टपति पद पर रहते प्रणब मुखर्जी पहली बार 16 नवंबर 2014 को अक्षयपात्र में चंद्रोदय मंदिर के भूमि पूजन में आए तो दूसरी बार 18 नवंबर 2015 को चैतन्य महाप्रभु के वृंदावन आगमनोत्सव के पांच सौ वे वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में आए थे। राष्टपति पद पर रहते ज्ञानी जैल सिंह 1987 में वृंदावन आए और रंगजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे 1957 में देश के पहले राष्टपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद वृंदावन आए। उप राष्टपति पद पर रहते 1985 में आर वेंकटरामन, 1993 में डॉ. शंकरदयाल शर्मा, 1959 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वृंदावन आ चुके हैं। राष्टपति या कोई वीवीआईपी जब भी वृंदावन आता है। प्रत्येक बार उनकी सुरक्षा तो होती ही है। सबसे बड़ा काम होता है वीवीआईपी को यहां के झपटमार बदंर से बचाना। ये बंदर झपटामार कर श्रद्धालु का चश्मा उतारते और किसी ऊंची जगह पेड़ या दीवार पर जाकर बैठ जाते हैं। ये चश्मा तभी लौटाते हैं जब उन्हें खाने के लिए फरूटी, केला या दूसरे खाने के सामान दिए जाएं। वीवीआईपी दौरे को देखते हुए प्रशासन लंगूरों के जगह-जगह कट आउट लगवाता है। माना जाता है कि लंगूर से बंदर डरतें हैं। उन्हें डराने के लिए ऐसा किया जाता है। कुछ जगह लंगूर भी लाकर बांध दिए जाते हैं। राष्टपति द्रोपदी मुर्मु की सुरक्षा से लेकर रूट पर व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने रात दिन एक कर दिया। राष्टपति द्रोपदी मुर्मु के दौरे को देखते एक प्रशासन ने लंगूरों के जगह-जगह कट आउट लगवाए।

लेखक को चित्रकूट में हनुमान गढ़ी जाने का अवसर मिला। वहां रास्ते में बंदर और लंगूर मिलते और आपके कपड़े और बैग पकड़कर रोक लेते हैं। वे आपके बैग और जेब से खाने का सामान प्रसाद आदि निकालकर ही आपको आगे जाने देते हैं। शुक्रताल में तो हनुमान धाम में बंदरों को भगाने के लिए लंगूर बांधा हुआ था। बंदर उसके अभयस्त हो गए थे। उन्हें पता था कि रस्सी में बंधे लंगूर की पंहुच कहां तक हैं। बदंर आते और लंगूर की पंहुच की दूरी से अगल रहकर लौट जाते।

प्रश्न है कि वीवीआईपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती है। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नही समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नही ऐसी व्यवस्थाएं होती। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते है। इतना होने पर भी उसके भोजन की व्यवस्था क्यों नही करते। अयोध्या में बड़ी तादाद में बंदर है। हनुमान गढ़ी पर मैंने बंदरों को फूलों की माला तोड़कर उसमें भोजन के अंश तलाशते देखा है। इसी शहर में डस्टविन से भोजन खोजते बंदर मुझे मिलें हैं। हमारी समाज सेवी संस्थाए क्यों नही इनके भोजन की जरूरत पूरी करती। बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढती बंदरों की जनसंख्या को भोजन चाहिए। भोजन ने मिलने वह निरीह प्राणी अपना पेट भरने के लिए कुछ तो करेगा।

बंदरों के आतंक के कारण कई शहरों में तो महिलाओं और बच्चों का छतों पर जाना कठिन हो गया है। शहरों की नही अब तो जंगल में भी इनकी बढ़ती आबादी किसानों के लिए संकट बन चुकी है। भोजन के अभाव में बंदर खेतों की फसल तोड़कर खा रहे हैं। गेंहू की बाली खा जाते है। बोए गए गन्ने के बीज जमीन से निकाल कर वे अपनी उदरपूर्ति कर रहे हैं। किसान फसल की रक्षा को लेकर परेशान हैं। अब तो किसानों ने खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं।

आज बंदरों का आंतक धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर भी बढ़ता जा रहा है। शहरी आबादी के साथ किसान भी परेशान है। आज जरूरी हो गया है कि सरकार द्वारा बंदरों की आबादी कम करने के लिए अभियान चलाया जाए।

बंदरों के ग्रुप लीडर की नसंबदी कराकर उनकी आबादी नियंत्रित की जाए। जनता के शोर मचाने पर बंदरों का पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाना कोई स्थायी निदान नही है। ये जंगल और वनों से लौटकर फिर आबादी की ओर आ जाते हैं। बढ़ती बंदरों की आबादी को भोजन चाहिए। भोजन न मिलने पर उन्हें भी पेट भरना है। जैसे आदमी अपनी भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए दूसरे साधन ढूंढ़ता है। वैसे ही आज बंदर कर रहे हैं। तीर्थ स्थलों पर चश्मा छीन रहे हैं तो कुछ जगह श्रद्धालुओं को पकड़कर उनके बैग से भोजन ले रहे हैं। गांव और शहरों में भोजन के लिए कपड़े उठाकर ले जाना आम बात है। ये उठाए गए कपड़े तब छोड़ते हैं, जब उन्हें खाने की सामग्री मिल जाए।

31 मार्च से पहले निपटाएं टैक्स और जीएसटी के जरूरी काम, 1 अप्रैल से लागू होंगे बड़े बदलाव

■आईटीआर-यू, टैक्स सेविंग और कंपोजिशन स्कीम का आखिरी मौका

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

वित्तीय वर्ष 2025-26 का अंतिम दिन 31 मार्च नजदीक आते ही करदाताओं और व्यापारियों के लिए सतर्क रहने का समय आ गया है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि आयकर और जीएसटी से जुड़े सभी जरूरी कार्य समय रहते पूरे कर लें अन्यथा अतिरिक्त टैक्स, ब्याज और जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

31 मार्च तक निपटाएं ये जरूरी काम: आयकर के तहत करदाताओं के पास अपडेट रिटर्न (आईटीआर-यू) दाखिल कर पुराने वर्षों की गलतियों को सुधारने का अंतिम अवसर है। इसके साथ ही पुरानी टैक्स व्यवस्था चुनने वाले लोग धारा 80सी और 80डी के तहत निवेश कर टैक्स बचाने का लाभ उठा सकते हैं। जिन लोगों का एडवांस टैक्स पूरा नहीं हुआ है, वे 31 मार्च तक भुगतान कर ब्याज को कम कर सकते हैं। साथ ही टीडीएस/टीसीएस के पुराने करेक्शन स्टेटमेंट्स को अपडेट करना भी जरूरी है। जीएसटी के अंतर्गत निर्यातकों के लिए विशेष रूप से यह जरूरी है कि वे 31 मार्च तक एलयूटी फाइल करें, ताकि नए वित्तीय वर्ष में बिना आईजीएसटी भुगतान के निर्यात जारी रखा जा सके। वहीं, कंपोजिशन स्कीम अपनाने के इच्छुक करदाताओं को भी 31 मार्च तक आवेदन करना होगा।

बदल जाएगा टैक्स सिस्टम

1 अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम 2025 लागू होगा, जो 1961 के पुराने कानून की जगह लेगा। इसमें सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब 'असेसमेंट ईयर' और 'पिछला वर्ष' की जगह केवल एक 'टैक्स ईयर' होगा, जिससे टैक्स कैलकुलेशन आसान हो जाएगा। इसमें 'असेसमेंट ईयर' और 'पिछला वर्ष' की जगह अब केवल 'टैक्स ईयर' की अवधारणा लागू होगी, जिससे टैक्स प्रक्रिया सरल हो जाएगी। नई कर व्यवस्था में धारा 87ए के तहत छूट बढ़ने से 12 लाख रुपए तक की आय पर शून्य कर का लाभ मिलेगा, जिससे मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा आयकर से जुड़े फॉर्म में भी बदलाव किए गए हैं जिसमें फॉर्म 16 की जगह अब फार्म 130 मिलेगा। अब फॉर्म 16ए की जगह फॉर्म 131 मिलेगा। इससे दस्तावेजी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनेगी।

इनका कहना है

'31 मार्च करदाताओं के लिए फाइनेंशियल क्लोजिंग का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस समय छोटी सी लापरवाही भी अतिरिक्त टैक्स या पेनल्टी का कारण बन सकती है। 1 अप्रैल से लागू होने वाला नया आयकर कानून सिस्टम को सरल जरूर बनाएगा, लेकिन साथ ही कंप्लायंस को लेकर सख्ती भी बढ़ेगी। ऐसे में करदाताओं को समय रहते अपने सभी वित्तीय कार्य पूरे कर लेने चाहिए और नए नियमों के अनुसार खुद को अपडेट करना चाहिए।'

पंकज शर्मा, सीए

डॉलर, कॉपर और प्लास्टिक के बढ़े दाम
एसी 10 और अन्य उपकरण 5 प्रतिशत होंगे महंगे

आने वाला अप्रैल माह उपभोक्ताओं के लिए महंगाई का नया झटका लेकर आ रहा है। वैश्विक हालात और बढ़ती लागत के चलते इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतों में वृद्धि तय मानी जा रही है। खासतौर पर एसी के दामों में करीब 10 प्रतिशत और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में लगभग 5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपए की लगातार गिरावट इसका प्रमुख कारण है। डॉलर के 94 रुपए के पार पहुंचने से आयातित कच्चे माल की लागत बढ़ गई है, जिसका सीधा असर मैन्युफैक्चरिंग पर पड़ रहा है। इसके अलावा कॉपर, प्लास्टिक और पॉलिमर जैसे कच्चे माल के दामों में उछाल ने कंपनियों की लागत को और बढ़ा दिया है। सप्लाई चेन में आ रही बाधाओं और एलपीजी की किल्लत ने भी उत्पादन लागत को प्रभावित किया है। ऐसे में कंपनियां अपने बढ़ते खर्च की भरपाई के लिए उत्पादों के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारियों का कहना है कि फिलहाल उनके पास पुराना स्टॉक उपलब्ध है, इसलिए उपभोक्ता 31 मार्च से पहले एसी, फ्रिज, टीवी और अन्य उपकरण खरीदकर बढ़ी हुई कीमतों से बच सकते हैं।

दाम बढ़ने के प्रमुख कारण

- डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी
- कच्चे माल (कॉपर, प्लास्टिक, पॉलिमर) की बढ़ती कीमतें
- एलपीजी की किल्लत और सप्लाई चेन में बाधाएं।

इनका कहना है

'डॉलर, कॉपर और प्लास्टिक के महंगा होने से इलेक्ट्रोनिक्स कंपनियों द्वारा इलेक्ट्रोनिक्स उत्पादों के दामों में बढ़ोत्तरी की जा रही है। इसी क्रम में पहले पुराना स्टॉक खत्म किया जाएगा इसके बाद ही नया स्टॉक बिकेगा।'

नवीन माहेश्वरी
इलेक्ट्रोनिक्स कारोबारी

गृह निर्माण सहकारी समितियों को किसका अभयदान ?

■दो समितियों को जबलपुर उच्च न्यायालय से मिला स्थगन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ग्वालियर विकास प्राधिकरण में पंजीबद्ध गृहनिर्माण सहकारी समितियों के कारनामे अक्सर चर्चाओं में रहते हैं, लेकिन इन पर जब भी कार्रवाई की बात आती है तो संबंधित अधिकारी ही कहीं न कहीं उन्हें बचाते हुए लाभ पहुंचाने का काम करते हैं। यही कारण है कि दो विवादित समितियों को जबलपुर उच्च न्यायालय से स्थगन मिल गया है तो एक समिति ने अवमानना याचिका दायर की है। ऐसे में जीडीए अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए वरिष्ठ अभिभाषक की तलाश में है।

उल्लेखनीय है कि जीडीए का कार्य ग्वालियर के विकास के साथ हितग्राहियों को सर्वसुलभ घर एवं व्यावसायिक स्थल उपलब्ध कराने का है लेकिन यहां अधिकारियों के गठबंधन से समितियों द्वारा फर्जी तरीके से भूमि का आवंटन कराकर बारे न्यारे कर लिए गए हैं। इन मामलों में लिप्त समिति के कर्ताधर्ताओं पर थानों में प्राथमिकी भी दर्ज है लेकिन इन सबके बावजूद भूमाफिया पर लगाम नहीं लग सकी है। मौजूदा स्थिति में आला अधिकारियों की कार्यप्रणाली भी शंका के दायरे में है, जिनकी रुचि न तो विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने में है और न ही समितियों पर पुख्ता कार्रवाई की मंशा है। जिससे हालत सुधरने का नाम नहीं ले रहे।

सूत्रों ने बताया कि जीडीए में चल रहे गड़बड़झाले में किसकी क्या भूमिका है इसे लेकर भोपाल स्तर से मांगे जाने पर पुख्ता जानकारी भेजी गई है । जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा न तो समय पर बोर्ड बैठक बुलाई जाती है और न ही विकास योजनाओं और काली सूची की समितियों पर कार्रवाई के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाने दिए जाते हैं।

इनका कहना है

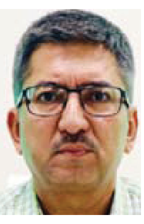

आप क्या पूछना चाहते हैं मुझे वाट्स एप पर लिखकर भेज दीजिए। वैसे यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

मनोज खत्री
अध्यक्ष ग्वालियर विकास प्राधिकरण एवं संभागीय आयुक्त

समितियों ने जबलपुर उच्च न्यायालय से स्थगन लिया है। इस मामले में अभी कुछ नहीं बोलूंगा।

नरोत्तम भार्गव
सीईओ ग्वालियर विकास प्राधिकरण

443 करोड़ का भूखंड घोटाला

वर्ष 1976 में जीडीए को आनंद नगर योजना के नोटिफिकेशन के बाद दामोदर बाग में 25.889 हेक्टेयर एवं शंकरपुर में 25.368 हेक्टेयर जमीन का आधिपत्य मिला। लेकिन वर्ष 2011 में भूमाफिया ने 26 समितियों का रिकॉर्ड गायब कर दिया। जिसकी प्राथमिकी पड़ाव थाना में दर्ज है। फिर शुरू हुए बड़े खेल में डुप्लीकेट नस्तियां बनाकर ग्वालियर गृह निर्माण एवं अशोक गृह निर्माण समितियों से अनुबंध किए गए, जबकि समितियों द्वारा भूमि सरेंडर करना प्रमाणित नहीं था। क्योंकि पूर्व में ही जिलाधीश द्वारा भू-अर्जन कर मुआवजा दिया जा चुका था लेकिन तत्कालीन सीईओ एमपी वत्स ने दोनों समितियों से अनुबंध कर लाभ देने का काम किया। फिर वर्ष 1997 से 2022 तक 923 भूखंड आवंटित कर दिए, जिसकी बाजार कीमत 443.98 करोड़ रुपए है। यानी कि जिलाधीश पूर्व में ही करोड़ों रुपए का मुआवजा दे चुके फिर भी भूखंड आवंटन की मांग की जाने लगी । बाद में घोटाला उजागर होने पर तत्कालीन सीईओ के प्रस्ताव पर 28 जनवरी 2023 को पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की गई।जिसकी अनुशंसा संभागायुक्त ने 13 फरवरी 2023 को की। इस अवधि में तीन सीईओ प्रदीप शर्मा, विनोद भार्गव और हर्ष सिंह रहे लेकिन इतने बड़े मामले में आवश्यक कार्रवाई नहीं हो सकी। तत्पश्चात मार्च 2024 में सीईओ पदस्थ हुए नरोत्तम भार्गव ने उक्त समितियों को कई बार नोटिस जारी किए। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने भी विधानसभा में सवाल उठा दिया। तब कहीं जाकर 7 नवंबर 2025 को समितियों की ओर से प्रतिवेदन आया। तत्पश्चात सीईओ ने 11 नवंबर 2025 को संभागीय आयुक्त को पत्र भेजकर समितियों से अनुबंध निरस्त करने का निवेदन किया गया । लेकिन उनकी ओर से टालमटोल करते हुए न सिर्फ आपत्तियां लगाई जाती रही बल्कि सीईओ पर समिति को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगा दिया गया। इस तरह दो बड़े अधिकारियों में पत्राचार चलता रहा और समितियों पर समय पर कार्रवाई नहीं हो सकी। जिससे 30 जून 2025 के बाद बोर्ड बैठक में इतने महत्वपूर्ण विषय पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। दूसरी ओर संबंधित समितियों ने भोपाल स्तर से कार्रवाई रुकवाने के प्रयास किए। बाद में जबलपुर उच्च न्यायालय में दो अलग-अलग याचिकाएं आवासीय विकास गृह निर्माण और ग्वालियर गृह निर्माण समिति की ओर से लगा दी गईं। जिस पर न्यायालय ने 12 दिसंबर 2025 को स्थगन आदेश जारी किए हैं। वहीं नेहरू गृह निर्माण समिति ने जबलपुर उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की है। इस तरह जीडीए के भीतर अधिकारियों में चले लुका छिपी के खेल में समितियों पर कार्रवाई लटक गई है। अब वरिष्ठ अभिभाषक के जरिए जबलपुर उच्च न्यायालय में मजबूती से पक्ष रखने को लेकर वरिष्ठ अभिभाषक की तलाश है।

कार में कूटरचित नम्बर प्लेट लगाकर घूमने वाला पकड़ा

■मूल कार मालिक ने की थी शिकायत

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

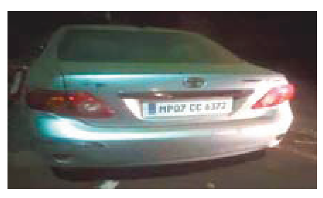

दूसरे की कार की नम्बर प्लेट लगाकर घूम रहे व्यापारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कार भी बरामद कर ली है। असल मालिक ने अपनी कार का पंजीकरण नम्बर दूसरी कार पर देखने पर पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस पकड़े गए आरोपित से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दूसरी कार का नम्बर क्यों लगाया था ?

कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा ने बताया कि संभाजी राव अवाड़ निवासी अवाड़ साहब का बाड़ा कम्पू ने पुलिस से शिकायत की थी उनकी कार नम्बर एमपी 07-सीसी-6372 का कोई दूसरा व्यक्ति अपनी कार पर इस्तेमाल कर रहा था और इस समय उक्त नम्बर की कार पिछाड़ी ड्योढ़ी पानी की टंकी के पास देखी है। संभाजीराव ने कार के विन्ड शील्ड पर थर्ड लायसेंस प्लेट पर लगे पंजीकरण का नम्बर ऑनलाइन सर्च किया तो उक्त नम्बर कार हिमांशु पुत्र स्व. दर्शन कांचीपुर ईस्ट दिल्ली के नाम से रजिस्टर्ड होना पाई गई। उक्त व्यक्ति से फोन पर बात करने पर पता चला कि उन्होंने कार को किसी बल्देव अग्रवाल निवासी सराफा दानाओली को बेच दी है। जैसे ही पुलिस को बल्देव अग्रवाल के बारे में पता चला पुलिस ने उनको कार सहित पकड़ लिया।

बल्देव पुत्र रामजीदास अग्रवाल निवासी न्यू सराफा बाजार दानाओली ने पुलिस पूछताछ में बताया कि कार दिल्ली से खरीदी थी लेकिन नम्बर स्थानांतरण कराने में 70 हजार रुपए का खर्चा आ रहा था इसलिए कूटरचित करते हुए दूसरे की गाड़ी का नम्बर प्लेट लगा ली थी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर बल्देव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार को भी बरामद कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

वित्त आयोग के अध्यक्ष पवैया आज आएंगे

ग्वालियर। म.प्र. राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया पदभार ग्रहण के बाद 29 मार्च को सायं 5.30 बजे वन्दे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर आएंगे। श्री पवैया स्टेशन पर नागरिकों का अभिवादन स्वीकार कर 6.30 बजे वी. आई. पी. सर्किट हाउस मुरार पहुंचेंगे , जहां प्रशासनिक अधिकारियों व्यापारियों , सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे । इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित भाजपा जन ने स्टेशन पहुंचकर स्वागत की अपील की है।

काटे गए नल कनेक्शन

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा जलकर वसूली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बकायेदारों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 50 में जलकर जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन काटे गए। इसमें नारंगी बाई गली निवासी प्यारी बाई (केयर ऑफ गंभीर सिंह) पर 42,930 रुपए तथा हरिओम सोनी (केयर ऑफ चोखी लाल सोनी) पर 19,915 रुपए जलकर बकाया होने पर उनके नल कनेक्शन विच्छेदित किए गए।

जटाशंकर होटल-रेस्टोरेंट सील

ग्वालियर। सम्पत्तिकर वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी क्रम में ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में उपायुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए जटाशंकर होटल एवं रेस्टोरेंट को सील कर दिया। उक्त प्रतिष्ठान पर लगभग 1 लाख 10 हजार रुपए का सम्पत्तिकर बकाया था, जो पिछले 5 वर्षों से जमा नहीं किया गया था। कार्रवाई के दौरान आरआई महेश पाराशर, टीसी सतेन्द्र सिंह, सहायक अमित अरोरा, विजय शर्मा एवं प्रशांत पांडे मौजूद रहे।

वारदात से पहले बदमाशों को अवैध हथियार के साथ पकड़ा

■डिपो में कार में बैठकर बना रहे थे योजना

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

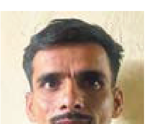

कार में बैठकर वारदात करने की योजना बना रहे दो बदमाशों को पुलिस ने घटना को अंजामदेने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस ने एक पिस्टल और एक कट्टा बरामद किया है। दोनों बदमाशों पर मुरैना में पहले ही प्रकरण पंजीबद्ध हैं। पुलिस पकड़े गए बदमाशों से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शहर में वह किसे शिकार बनाने वाले थे।

हजीरा थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर को शुक्रवार को मुखबिर मिली थी कि जैन मंदिर संजय नगर डिपो में कार में सवार बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से बैठे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बदमाशों की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही कार में बैठे बदमाश भागने का प्रयास करने लगे पुलिस ने उनका पीछा कर गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों की पहचान मनीष पुत्र उदयवीर सिंह गुर्जर निवासी भत्तपुरा अंबाह मुरैना, विवेक पुत्र रवि शर्मा निवासी कसमड़ा, महुआ मुरैना के रूप में हुई है। पुलिस के तलाशी लेने पर दोनों बदमाशों के पास से एक देशी पिस्टल और एक कट्टा रखा मिला। पुलिस पूछताछ के दौरान मनीष और विवेक का मुरैना में अपराधिक रिकार्ड की जानकारी मिली। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर हथियारों के बारे में पूछताछ शुरु कर दी है।

चेम्बर कार्यकारिणी में उपस्थित होंगे तभी दिखोगे अर्थवार्ता में

ग्वालियर। मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी बैठक में निर्णय लिया गया कि बैठक में शामिल होने वाले सदस्यों की हाजिरी दर्ज की जाएगी। इसके बाद इसका प्रकाशन अर्थवार्ता में किया जाएगा। कार्यकारिणी सदस्य दीपक जैसवानी ने यह विषय उठाते हुए कहा कि कार्यकारिणी बैठकों में आने वाले सदस्यों का लेखा जोखा रखना चाहिए। जिस पर कुछ सदस्य असहज दिखाई दिए। जबकि पदाधिकारियों की ओर से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। वैसे इस विषय को चुनावी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। क्योंकि कुछ पदाधिकारी और बहुत से सदस्य कार्यकारिणी बैठकों से दूरी बनाए रखते हैं। ऐसे में इनकी हाजिरी दर्ज होने पर चुनाव में सवाल उठाया जा सकता है कि आपने व्यापारिक हित में कौनसा मुद्दा उठाया।

सनातन धर्म मण्डल में शताब्दी वर्ष पर होगी इन्द्रेश जी की कथा

■साधारण सभा ने पास किया 10 लाख का बजट

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

श्री सनातन धर्म मण्डल की साधारण सभा की बैठक में शताब्दी वर्ष को भव्य रूप से मनाने के साथ ही इन्द्रेश जी महाराज की कथा कराने की बात आई। इसके लिए 10 लाख रुपए के अतिरिक्त बजट को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक शनिवार को चक्रधर सभागार में मण्डल अध्यक्ष विजय गोयल की अध्यक्षता में हुई। जिसमें 217 सदस्य बनाए जाने का नरेश सिंघल, हरिबाबू गोयल, ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला, विमल माहेश्वरी, मनीष बांदिल आदि ने विरोध किया। जिस पर श्री गोयल ने व्यवस्था दी कि इनमें से 150 सदस्य साधारण सभा से पास किए गए, 17 सदस्य मृतकों के परिजनों एवं 50 सदस्य कार्यकारिणी से पास होकर बनाए गए। विरोध करने वालों का कहना था कि सदस्यों से 20 हजार रुपए अतिरिक्त लिए गए। इसके अलावा बड़ी राशि में सदस्य कैसे बनाए गए। प्रधानमंत्री रमेश चन्द्र गोयल ने जवाब में कह दिया कि पूर्व कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश गोयल ने अपनी दुकान पर बैठकर सदस्य बना दिए थे तब कोई कुछ नहीं बोला। नरेश सिंघल बोले कि कार्यकारिणी ने फॉर्मों की बंदरवाट कर ली। ओमप्रकाश अग्रवाल भी बोले कि इस तरह सदस्य बनाए जाना ठीक नहीं है। संदीप नारायण अग्रवाल बोले कि 20 हजार रुपए की राशि विकास फंड में गई है इसलिए इस विषय पर चर्चा नहीं होना चाहिए। रामनिवास अग्रवाल ने कहा कि डायस से जो जवाब आया है वह मर्यादित नहीं है कि पहले जो हुआ वह हमने भी किया। हरिबाबू गोयल इस मत में थे कि भविष्य में मण्डल कार्यालय से ही सदस्यता फार्मों का वितरण किया जाए। इसके साथ ही यह व्यवस्था भी दी गई कि चालू वित्तीय वर्ष में कोई भी नया सदस्य नहीं बनाया जाएगा। जबकि अगस्त 2025 के बाद मृतकों के परिजनों को सदस्य बनाया जाएगा।

सुमन ने फैलाई पंजीरी

कार्यकारिणी सदस्य सुमन सिंघल इस बात से खफा थीं कि कार्यकारिणी में होने के बावजूद उनकी पूछ परख नहीं होती। जहां तक कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पदाधिकारी प्रसादी भर-भरकर ले गए, लेकिन मुझे पंजीरी तक नहीं मिली। पदाधिकारी नारायण बृजवासी ने शंकरकुल्फी वाली लाइन में मंच के पीछे दुकानें बनाने के बाद उन्हें तोड़े जाने पर खर्च हुए 50 हजार रुपए की जवाबदेही का सवाल उठाया। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि सबकुछ कार्यकारिणी में तय होने के बाद ही होता है। फिर भी किसी को फॉर्म, किसी को दुकानें तो किसी को पंजीरी की चिंता दिखाई देती है।

स्वास्थ्य विभाग के आदेश कागजों में

निजी अस्पतालों में बिना अनुमति इलाज कर रहे हैं शासकीय चिकित्सक, निरीक्षण बंद

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में निजी अस्पतालों की व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह शासकीय चिकित्सकों के भरोसे चल रही है। हालात इतने गंभीर हैं कि नर्सिंग होम से लेकर बड़े निजी अस्पतालों तक में सरकारी चिकित्सक ऑपरेशन से लेकर ओपीडी तक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार बिना सक्षम अनुमति के शासकीय चिकित्सकों द्वारा निजी संस्थानों में सेवाएं देना प्रतिबंधित है, लेकिन इसके बावजूद यह खेल खुलेआम जारी है और जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने करीब एक वर्ष पूर्व निजी अस्पताल संचालकों, गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय और सिविल सर्जन को पत्र जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि कोई भी शासकीय चिकित्सक बिना अनुमति निजी अस्पताल में सेवाएं देता पाया गया तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही निजी अस्पतालों को भी चेतावनी दी गई थी कि ऐसे मामलों में उनका पंजीयन तक निरस्त किया जा सकता है। लेकिन यह सख्ती सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई। जमीनी हकीकत यह है कि शहर के अधिकांश निजी अस्पतालों में शासकीय चिकित्सक नियमित रूप से सेवाएं दे रहे हैं। कई मामलों में तो एक ही चिकित्सक दो-दो अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे रहा है। इस संबंध में कई शिकायतें भी सामने आ चुकी हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर अब तक कुछ नहीं हुआ। स्थिति यह है कि निजी अस्पतालों की निर्भरता शासकीय चिकित्सकों पर लगातार बढ़ती जा रही है। इससे सरकारी अस्पतालों की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

निरीक्षण बंद, अनियमितताएं बेलगाम: स्वास्थ्य विभाग द्वारा पहले समय-समय पर निजी अस्पतालों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाता था, लेकिन पिछले लंबे समय से यह प्रक्रिया लगभग ठप पड़ी है। निरीक्षण बंद होने का सीधा असर यह हुआ है कि अस्पताल संचालकों की मनमानी बढ़ गई है और नियमों का पालन सुनिश्चित करने वाला कोई तंत्र नजर नहीं आता। ऐसे में न केवल शासकीय चिकित्सकों की अवैध सेवाएं जारी हैं, बल्कि अन्य व्यवस्थागत खामियां भी बिना रोकटोक बढ़ती जा रही हैं।

दूसरों के नाम पर संचालित हो रहे अस्पताल

जिले के कई शासकीय चिकित्सक खुद के निजी अस्पताल भी संचालित कर रहे हैं, लेकिन नियमों के चलते उन्होंने इन अस्पतालों का पंजीयन अपने नाम पर न कराकर अन्य लोगों के नाम पर करा रखा है। इतना ही नहीं, कुछ जूनियर डॉक्टर भी इसी रास्ते पर चलते हुए दूसरों के नाम का सहारा लेकर निजी अस्पताल चला रहे हैं।

इनका कहना है

निजी अस्पतालों का जल्द टीमों से निरीक्षण कराया जाएगा। निरीक्षण में अगर कोई शासकीय चिकत्सिक सेवाएं देते हुए मिले तो कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. सचिन श्रीवास्तव
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

संक्षिप्त समाचार

वित्त आयोग के अध्यक्ष पवैया आज आएंगे

ग्वालियर। म.प्र. राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सायं 5.30 बजे वन्दे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर आएंगे। श्री पवैया स्टेशन पर नागरिकों का अभिवादन स्वीकार कर 6.30 बजे वी. आई. पी. सर्किट हाउस मुरार पहुंचेंगे , जहां प्रशासनिक अधिकारियों व्यापारियों , सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे । इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित भाजपा जन ने स्टेशन पहुंचकर स्वागत की अपील की है।

काटे गए नल कनेक्शन

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा जलकर वसूली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बकायेदारों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

वारदात स पह अवैध हथियार

■डिपो में कार में बैठकर बना रहे थे योजना

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

कार में बैठकर वारदात करने की योजना बना रहे दो बदमाशों को पुलिस ने घटना को अंजामदेने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस ने एक पिस्टल और एक कट्टा बरामद किया है। दोनों बदमाशों पर मुरैना में पहले ही प्रकरण पंजीबद्ध हैं। पुलिस पकड़े गए बदमाशों से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शहर में वह किसे शिकार बनाने वाले थे।

हजीरा थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह

मोना और मिहिर की 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वैब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। जानें किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज?

किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज

'मां का सम' एक नई वैब सीरीज है, जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

क्या है 'मां का सम' की कहानी?

इस सीरीज की कहानी अगस्त्य नाम के एक होनहार टीनएज लड़के की है, जिसे मिहिर आहूजा ने निभाया है। अगस्त्य बहुत अच्छा मैथ्स का स्टूडैंट है। वह पूरी दुनिया को नम्बर्स, ग्राफ और लॉजिक के नजरिए से देखता है। उसकी सिंगल मां विनीता का रोल मोना सिंह ने निभाया है।

अगस्त्य अपनी मां के लिए एक परफैक्ट पति ढूंढने का प्लान बनाता है। वह इसे 'प्रोजैक्ट मॉम' नाम देता है। शुरू में यह सिर्फ एक लॉजिकल प्लान होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह एक मजेदार, भावुक और दिल छू लेने वाली कहानी बन जाती है।

दो बिल्कुल अलग किरदारों में नजर आएंगे विजय

भारतीय सिनेमा के सबसे टैलेंटेड पैन-इंडिया स्टार्स विजय देवरकोंडा ने अपनी दमदार शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और यादगार परफॉर्मैंस के दम पर फिल्मों में ऐसे किरदार निभाए हैं जो दर्शकों के जहन में गहराई से रचे-बसे हैं।

विजय, एक बार फिर अपनी दो मोस्ट अवेटेड रियल स्टोरी बेस्ड फिल्म 'राणा बाली' और 'राउडी जनार्दन' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं।

फिल्म 'राणा बाली' फिल्ममेकर राहुल सांकृत्यायन की फिल्म है, जिनके साथ वह सुपरहिट फिल्म 'टैक्सीवाला' कर चुके हैं। इस फिल्म के जरिए हाल ही में 26 फरवरी को विवाह-बंधन में बंध चुके विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' के बाद एक

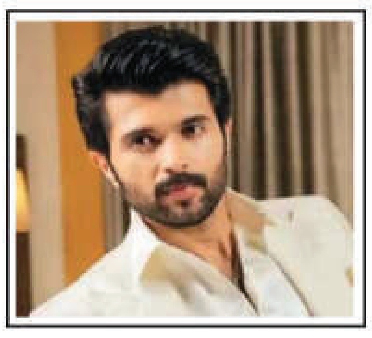

बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं जबकि रवि किरण कोला के निर्देशन में बन रही 'राउडी जनार्दन' में विजय देवरकोंडा एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगे। उम्मीद की जा रही है कि अलग तरह की कहानी पर बेस्ड यह फिल्म एक बार फिर से विजय की वर्सेटिलिटी को साबित करेगी। विजय देवरकोंडा के ये दोनों ही किरदार पर्सनैलिटी, गहराई और इमोशन में बिल्कुल अलग है।

एक्शन फिल्म करना चाहती हैं शालिनी पांडे

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की।

एक्शन फिल्म में काम करने की जताई इच्छा

बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवनभर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं।

कम्फर्ट जोन से बाहर आकर काम करना चाहती हैं शालिनी

अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं।

मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं।

मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है।

आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगू फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वह आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

जल्द आएगी सान्या-राजकुमार की 'टोस्टर'

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की अपकमिंग फिल्म 'टोस्टर' की रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने एक मजेदार वीडियो साझा करते हुए इस बात की जानकारी दी है कि फिल्म कब और कहां रिलीज होगी? यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी पर रिलीज होनी है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी सान्या और राज की 'टोस्टर'

राजकुमार और पत्रलेखा द्वारा निर्मित 'टोस्टर' ओटीटी प्लेटफॉर्म नैटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट जारी करते हुए एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में राजकुमार राव नजर आते हैं, जो यह बताते हैं कि उनकी फिल्म 'टोस्टर' 15 अप्रैल को नैटफ्लिक्स पर आ रही है। इसके साथ ही राजकुमार फिल्म में अपने किरदार और फिल्म की बाकी कास्ट के बारे में भी जानकारी देते हैं। फिल्म में राजकुमार राव रमाकांत नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो एक कंजूस व्यक्ति है। कैप्शन में मेकर्स ने बताया है कि 'ये एक जबर-टोस्ट कॉमेडी होने वाली है।'

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने किया है फिल्म को प्रोड्यूस

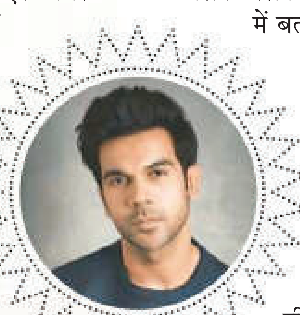

वीडियो में राजकुमार राव से एक मोनोलॉग बोलने के लिए कहा जाता है और उन्हें स्क्रि प्ट दी जाती है। लेकिन राजकुमार कहते हैं कि हर बार मोनोलॉग बोलना जरूरी थोड़ी है इसलिए वो साधारण तरीके से फिल्म की रिलीज डेट और कास्ट के बारे में पूरी जानकारी देते हैं।

साथ ही ये भी बताते हैं कि इस फिल्म को उन्होंने पत्नी पत्रलेखा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। वीडियो के अंत में राजकुमार राव अलग-अलग एक्सप्रेशन में फिल्म के बारे में बताते हैं।

फिल्म में नजर आएगी जबरदस्त स्टारकास्ट

फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा के अलावा फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'द ट्रेटर्स' में नहीं होंगी नेहा

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टैंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सैलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टैंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है।

करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया

'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर प्रतिभागी अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।'

अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इन्कार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजैक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

राजस्थान में चल रही शो की शूटिंग

'द ट्रेटर्स' की शूटिंग फिलहाल राजस्थान में चल रही है। कई मशहूर हस्तियों के नाम संभावित प्रतियोगियों के तौर पर ऑनलाइन सामने आ रहे हैं। नेहा का नाम भी शो में शामिल होने की अफवाहों में था,

लेकिन फिलहाल अब नेहा धूपिया ने इस शो का हिस्सा होने से साफ इन्कार कर दिया है।

चर्चा में हैं इन हस्तियों का नाम

'द ट्रेटर्स' के संभावित कंटेस्टैंट में कई हस्तियों के नाम चर्चा में बने हुए हैं। इनमें लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री क्रिस्टल डि'सूजा कथित तौर पर 'द ट्रेटर्स' में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इसके अलावा रिया चक्रवर्ती, शालिनी पासी, मुनव्वर फारूकी और मल्लिका शेरावत इस सीजन के बड़े नामों में शामिल हैं। यूट्यूब पर्सनैलिटी फुकरा इंसान (अभिषेक मल्हान) और कॉमेडियन कुल्लू का भी नाम शामिल है।

उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने जीता था पहला सीजन

शो का पहला सीजन अमेजन प्राइम वीडियो इंडिया पर प्रसारित हुआ था। पहला सीजन अभिनेत्री-फैशिनस्टा उर्फी जावेद और पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर ने संयुक्त रूप से जीता था। करण जौहर ने पहले सीजन को होस्ट किया था। अब दूसरे सीजन को भी वह ही होस्ट करेंगे।

सौम्या टंडन को मिला नया दोस्त 'बादशाह'

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है। सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वह घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं।

वहीं, कुछ तस्वीरों में वह घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं। सौम्या ने लिखा, 'पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी।' सौम्या ने लिखा, 'पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम 'बादशाह' है।'

सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, 'मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनैक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं।' अंत में सौम्या ने लिखा, 'फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे।'

'बॉर्डर 2' के बाद बिजी हो रहे हैं वरुण

एक्टर वरुण धवन की फिल्म बॉर्डर 2 (2026) ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया। फिल्म में इंडियन आर्मी के जांबाज अफसर मेजर होशियार सिंह दहिया के किरदार में वरुण की एक्टिंग से दर्शक इतने अधिक इंप्रैस हुए कि उनकी तारीफ करते थक नहीं रहे हैं। मेजर होशियार सिंह साल 1957 में जाट रेजिमैंट का हिस्सा बनने के बाद वह 3-ग्रेनेडियर्स में अफसर बने।

उन्होंने 1971 में भारत-पाक के युद्ध में शंकरगढ़ पठार में मोर्चा संभालते हुए 89 दुश्मनों को मौत के घाट उतारते हुए पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए थे। मरणोपरांत उन्हें परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। अपने करियर में कई हिट फिल्में देने वाले वरुण धवन पहली बार फिल्म 'बॉर्डर 2' आर्मी अफसर

मेजर होशियार सिंह के किरदार में नजर आए और वाकई उन्होंने कमाल की एक्टिंग की है। वरुण धवन ने अपनी हिट फिल्मों का सिलसिला अपने करियर की पहली फिल्म स्टूडैंट ऑफ द ईयर (2012) से ही शुरू कर दिया था।

अपने 14 साल के करियर में वरुण ने 27 फिल्में की हैं, जिसमें से 15 फिल्में हिट और एवरेज रही हैं जबकि केवल 4 ही फिल्में फ्लॉप साबित रही हैं। बाकी फिल्मों में उनके कैमियो थे। उनकी हिट फिल्मों में स्टूडैंट ऑफ द ईयर (2012), हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया (2014), बदलापुर (2015), ढिशूम (2016), बद्रीनाथ की दुल्हनिया (2017), रॉकी और रानी की प्रेम कहानी (2023), सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी (2025) और हाल ही में इस लिस्ट में शामिल फिल्म बोर्डर 2 (2026) रही हैं।

वरुण की सेमी हिट फिल्मों में मैं तेरा हीरो (2014), एबीसीडी 2 (2015), जुड़वा 2 (2017) और एवरेज फिल्मों में दिलवाले (2015), अक्तूबर (2018) और सुई धागा (2018) के नाम शामिल हैं। वरुण धवन की फ्लॉप फिल्मों में पहली फिल्म कलंक (2019), उसके बाद स्ट्रीट डांसर 3डी (2020), भेड़िया (2022) और आखिर में बेबी जॉन (2024) है। ये तीनों फिल्में बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थीं। इस वक्त वरुण धवन एक साथ कई फिल्में कर रहे हैं।

वह फिल्म 'है जवानी तो इशक होना है' की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं 2022 की उनकी फ्लॉप फिल्म 'भेड़िया' के मेकर्स इसका सीक्वल 'भेड़िया 2' प्लान करने में जुटे हैं। इसके अलावा वरुण धवन का नाम फेमस फिल्म 'लुका छुपी' के सीक्वल के लिए भी सामने आ रहा है।

पार्टनर को लेकर जल्दी में नहीं: मलाइका

मलाइका अरोड़ा अक्सर लोगों के साथ देखे जाने पर डेटिंग की अफवाहों में घिर जाती हैं। पिछले साल हर्ष मेहता के साथ और अब सोराब बेदी के साथ उनकी तस्वीरें वायरल होने पर फिर अफवाहें शुरू हो गईं। इन्हीं डेटिंग रूमर्स को लेकर मलाइका ने बात की है।

डेटिंग रूमर्स पर मलाइका ने तोड़ी चुप्पी: बातचीत के दौरान मलाइका ने कहा, 'अब यह परेशान करने वाला हो गया है। मैं इसे बस एक मजाक समझती हूं।' मलाइका ने बताया कि उनके बेटे अरहान खान के साथ वह इन अफवाहों पर खूब हंसते हैं।

पार्टनर को लेकर मलाइका की राय: मलाइका की शादी अरबाज खान से 19 साल चली थी, जिसके बाद 2017 में उनका तलाक हो गया। कथित तौर पर अर्जुन कपूर के साथ उनका रिश्ता रहा, लेकिन वे अलग हो गए। मलाइका ने कहा कि उन्हें अभी किसी साथी की तलाश करने की कोई जल्दी

नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं इन चीजों की योजना नहीं बना सकती। अगर होना होगा तो हो जाएगा। अभी मैं अपने जीवन में चल रही हर चीज को जान रही हूं और खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा कि पार्टनर होना अच्छी बात है, लेकिन यह उनके लिए जरूरी नहीं है। अगर उन्हें किसी के साथ रहना भी हो तो वे इसे अपनी शर्तों पर ही करेंगी।

हर्ष मेहता और सोराब बेदी के साथ डेटिंग रूमर्स: पिछले साल मुंबई में एक कॉन्सर्ट का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मलाइका एक हीरा व्यापारी हर्ष मेहता हैं। इसके अलावा मलाइका और सौराब बेदी को इस साल एक साथ पार्टी में देखा गया, जिसके बाद इनके डेटिंग की खबरें आने लगीं।

आईपीएल 2026: सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हराया, कोहली-पडिक्कल का अर्धशतक

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत से शुरुआत

एजेंसी, बेंगलुरु

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत जीत के साथ की। टीम ने शनिवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हराया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी हैदराबाद ने 201 रन बनाए। आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया। विराट कोहली ने 69, देवदत्त पडिक्कल ने 61 और रजत पाटीदार ने 31 रन बनाए। गेंदबाजी में जैकब डफी और रोमारियो शेफर्ड ने 3-3 विकेट लिए। SRH से कप्तान ईशान किशन ने 80, अनिकेत वर्मा ने 43 और हेनरिक क्लासन ने 31 रन बनाए। हर्ष दुबे और जयदेव उनादकट को 1-1 विकेट मिला। डेविड पेन ने 2 विकेट लिए। रविवार को 19वें सीजन का दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

डेब्यू पर छाए कीवी तेज गंदबाज

जैकब डफी ने अपने डेब्यू मैच में ही जबरदस्त गेंदबाजी की। 28 मार्च (शनिवार) को सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध मुकाबले में डफी ने अपने पहले तीन ओवर में तीन बड़े विकेट झटके उन्होंने अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और नीतीश कुमार रेड्डी को आउट कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को शानदार शुरुआत दिलाई।

स्कोर बोर्ड

हैदराबाद	रन	बॉल	4s	6s
हेड कै सॉल्ट बो डफी	11	9	2	0
अभिषेक कै जितेश बो डफी	7	8	0	1
ईशान कै सॉल्ट बो अभिनंदन	80	38	8	5
नीतीश कै अभिनंदन बो डफी	1	6	0	0
क्लासेन कै सॉल्ट बो शेफर्ड	31	22	2	1
सलील कै पडिक्कल बो सुयश	9	6	0	1
अनिकेत कै कोहली बो शेफर्ड	43	18	3	4
हर्ष कै पडिक्कल बो शेफर्ड	3	3	0	0
हर्षल कै पडिक्कल बो भुवनेश्वर	0	2	0	0
डेविड पेन नाबाद	6	5	0	0
जयदेव उनादकट नाबाद	4	3	0	0

कुल: 201/9 (20)

गेंदबाजी: जेकब डफी (4-0-22-3), भुवनेश्वर कुमार (4-0-31-1), अभिनंदन सिंह (3-0-38-1), रोमारियो शेफर्ड (4-0-54-3), सुयश शर्मा (3-0-28-1), क्रुणाल पंड्या (2-0-26-0)

बेंगलुरु	रन	बॉल	4s	6s
सॉल्ट कै क्लासेन बो उनादकट	8	7	2	0
विराट कोहली नाबाद	69	38	5	5
पडिक्कल कै क्लासेन बो हर्ष	61	26	7	4
पाटीदारकै हर्ष बो पेन	31	12	2	3
जितेश कै उनादकट बो पेन	0	1	0	0
टिम डेविड नाबाद	16	10	1	1

कुल: 203/4 (15.4)

गेंदबाजी: नीतीश कुमार रेड्डी (2-0-19-0), जयदेव उनादकट (3-0-29-1), डेविड पेन (3-0-35-2), हर्ष दुबे (3-0-35-1), ईशान मलिंगा (2-0-35-0), हर्षल पटेल (2.4-0-39-0)

काली पट्टी पहनकर उतरी आरसीबी की टीम

आईपीएल 2025 सीजन में जब आरसीबी ने 18 साल में पहली बार ट्रॉफी को अपने नाम किया था, तो उनके फैंस काफी खुश थे। विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मचने से जहां कई लोग जख्मी हुए थे तो वहीं 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद आरसीबी को काफी आलोचना का भी सामना करना पड़ा था। अब आरसीबी ने उन सभी मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए अपनी बांह पर ब्लैक आर्मबैंड पहनकर मैदान में खेलने उतरे।

विराट कोहली- देवदत्त पडिक्कल रनचेज में छाए

रनचेज में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने फिल साल्ट (8 रन) का विकेट सस्ते में गंवा दिया। साल्ट तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की गेंद पर हेनरिक क्लासेन को कैच थमा बैठे। यहां से इम्पैक्ट सब देवदत्त पडिक्कल और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी कर आरसीबी को संभाल लिया। देवदत्त ने 7 चौके और 4 छक्के की मदद से सिर्फ 26 गेंदों पर 61 रन बनाए। इस दौरान देवदत्त ने 21 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। देवदत्त को हर्ष दुबे ने हेनरिक क्लासेन के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार और विराट कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। पाटीदार ने सिर्फ 12 गेंदों पर 31 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और तीन छक्के शामिल रहे. पाटीदार को तेज गेंदबाज डेविड पेन ने आउट किया। पेन ने फिर अगली गेंद पर जितेश शर्मा (0 रन) को भी पवेलियन भेज दिया। यहां से विराट कोहली और टिम डेविड ने आरसीबी को जीत की मंजिल तक पहुंचाया। कोहली ने 38 गेंदों पर 69* रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। वहीं डेविड के बल्ले से नाबाद 16 रन निकले।

फिल साल्ट के कैच पर विवाद, माइकल वॉन भड़के

हैदराबाद की पारी के दौरान फिल साल्ट ने बाउंड्री पर हेनरिक क्लासेन का एक शानदार कैच लपका। हालांकि उस कैच को लेकर विवाद चल रहा है। सोशल मीडिया के चर्चित प्लेटफॉर्म एक्स पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि फिल साल्ट का पैर कैच लेते हुए बाउंड्री लाइन पर टच हुआ। माइकल वॉन ने कहा, 'मुझे ऐसा लग रहा है कि पैर बाउंड्री लाइन से टच हुआ। यह आरसीबी के लिए बड़ा कॉल है। पता नहीं आप इसे कैसे आउट दे सकते हैं और इस बात पर बिल्कुल निश्चित हो सकते हैं कि पैर का कोई हिस्सा बाउंड्री लाइन से नहीं छुआ।

केकेआर करेगी जीत से आगाज या घर में दहाड़ेंगे मुंबई इंडियंस के शेर

एजेंसी, मुंबई

मुंबई इंडियंस का सामना तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स ने उनके घर में होने वाला है। ये दोनों टीमें मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। दोनों की ही नजरें जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने पर होंगी। मुंबई इंडियंस की कमान भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के हाथों में है, जबकि केकेआर की कप्तानी अजिंक्य रहाणे संभालेंगे। आइए मुकाबले से पहले आपको हेड टू हेड रिकॉर्ड बताते हैं।

केकेआर के खिलाफ मुंबई इंडियंस का पलड़ा भारी

दोनों टीमों के बीच अब तक 35 मैच खेले गए हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस का पलड़ा भारी रहा है। मुंबई इंडियंस ने इस टीम के विरुद्ध 24 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि केकेआर सिर्फ 11 ही मैच जीत सकी है। मुंबई इंडियंस ने केकेआर के खिलाफ साल 2008 और 2009 में खेले गए सभी चार मैच अपने नाम किए थे। इसके बाद साल 2010 में मुंबई इंडियंस को 2 में से एक मैच में हार का सामना करना पड़ा। साल 2011 में दोनों ही मुकाबले मुंबई इंडियंस ने जीते।

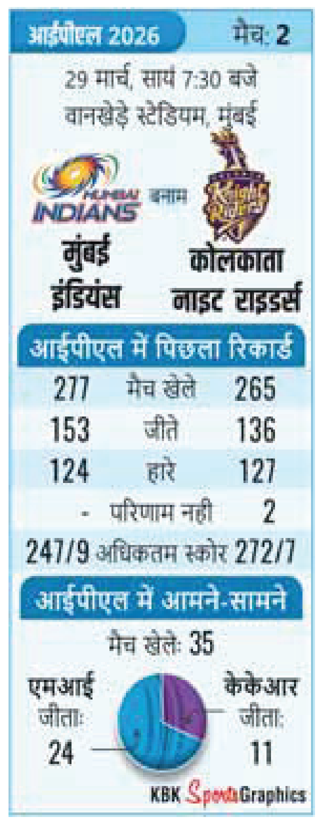

वानखेड़े की पिच पर किसका दिखेगा जलवा

इस मुकाबले की पिच को लेकर बात की जाए तो वानखेड़े स्टेडियम को बल्लेबाजी के लिए मुफीद पिच माना जाता है, जहां पर दूसरी पारी के दौरान ओस की भूमिका भी काफी अहम हो जाती है। हालांकि नई गेंद से तेज गेंदबाजों को शुरुआती ओवर्स में मदद मिलती है, लेकिन इसके बावजूद स्टेडियम की बाउंड्री अधिक बड़ी नहीं होने की वजह बल्लेबाजों के लिए बड़े शॉट खेलना काफी आसान होता है। ऐसे में हम इस मैच में भी बड़ा स्कोर बनते हुए देख सकते हैं।

यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

एजेंसी, मियामी

मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। 24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी। विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। दूसरी ओर, 21वीं

वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा। हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं।

संक्षिप्त समाचार

धोनी 2 हफ्ते आईपीएल से बाहर रह सकते हैं

चेन्नई। एमएस धोनी आईपीएल 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रह सकते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान इस समय मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैब से गुजर रहे हैं। चेन्नई की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उन्हें काफ स्ट्रेन, यानी पिंडली में खिंचाव है। अगर धोनी पूरे 2 हफ्ते यानि 14 दिन तक बाहर रहते हैं तो वो कम से कम 3 मैच नहीं खेल पाएंगे। चेन्नई का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है। इसके बाद उसका अगला मैच 3 अप्रैल को चेन्नई में पंजाब किंग्स के खिलाफ है।

जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस टीम से जुड़े

मुंबई। जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस टीम से जुड़ गए हैं। खबरों के मुताबिक,

वे शुक्रवार शाम टीम होटल पहुंचे। बुमराह रविवार को मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेल सकते हैं। बुमराह पिछले पांच दिनों से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में थे और अपने फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर काम कर रहे थे। बुमराह ने 2013 में मुंबई इंडियंस के लिए डेब्यू किया था और तब से वे टीम के सबसे अहम गेंदबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 148 मैचों में 186 विकेट लिए हैं।

बांग्लादेश ने आईपीएल टेलीकास्ट पर बैन हटाया

नई दिल्ली। बांग्लादेश सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग के टेलीकास्ट पर लगा बैन हटा दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वापन ने शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में कहा कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। स्वापन ने कहा- आईपीएल का प्रसारण करने के लिए किसी भी चैनल ने हमसे संपर्क नहीं किया। हम आईपीएल को व्यावसायिक नजरिए से देखेंगे और अगर कोई चैनल आईपीएल का प्रसारण करने के लिए आवेदन करता है तो हम उस पर पॉजिटिव रूप से विचार करेंगे।

एमबापे के गोल से फ्रांस ने ब्राजील को हराया इटली ने मजबूत की विश्व कप उम्मीदें

एजेंसी, नई दिल्ली

_टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे के गोल की बदौलत फ्रांस ने फीफा फुटबॉल विश्व कप से पहले खेले गए एक अहम मैत्री मुकाबले में ब्राजील को 2-1 से मात दी। उन्होंने 65वें मिनट में मैदान छोड़ने से पहले एक महत्वपूर्ण गोल किया। स्टेडियम में मौजूद 66,215 दर्शक ब्राजील का समर्थन कर रहे थे, लेकिन एमबापे (32वें मिनट) और ह्यूगो एकितिके (65वें) ने गोल करके फ्रांस को उस मैदान पर 2-0 की बढ़त दिला दी, जहां वह विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में नार्वे का सामना करेगा।

मैच में ब्राजील के लिए ब्रेमर का अहम योगदान

वहीं ब्राजील की तरफ से एकमात्र गोल ब्रेमर ने 78वें मिनट में किया, लेकिन उनकी टीम इस सिलसिले को आगे नहीं बढ़ा सकी और यह गोल सिर्फ टीम के हार के अंतर को ही कम करने के काम आया। ब्राजील अब

मंगलवार को फ्लोरिडा के आरलैंडो में क्रोएशिया के विरुद्ध मैत्री मुकाबला खेलेगा, जो इन दोनों टीम के बीच 2022 के विश्व कप क्वार्टर फाइनल के बाद पहला मुकाबला होगा।

इटली ने जीवित रखीं उम्मीद

वहीं इटली ने प्लेऑफ के पहले मैच में उतरी आयरलैंड को 2-0 से हराकर विश्व कप में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। चार बार के चैंपियन इटली को अब विश्व कप के लिए लगातार तीसरी बार क्वालीफाई करने से चूकने से बचने के लिए एक और मैच जीतना होगा। बर्गमो में खेले गए इस मैच में इटली की तरफ से सैंड्रो टोनाली ने दूसरे हाफ की शुरुआत में हाफ-वॉली शॉट से पहला गोल करके गतिरोध तोड़ा।

वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

एजेंसी, सेंट किट्स

सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला

कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया।

वीएस और रेलवे अकैडमी ने जीता अपना मुक़ाबला

खेल संवाददात, भोपाल

पहले मैच में वीएस क्रिकेट अकैडमी एवं नायर क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। एनसीए ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया एनसीए ने पहले बैटिंग करते हुए 88 रनों का लक्ष्य दिया। एनसीए से सिद्धार्थ ने नाबाद 20 रन बनाये और राजवीर ने 13 रन बनाये। वीएस से अयांश ने 2 विकेट लिए। लक्ष का पीछा करते हुए वीएस ने 16 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर लिया बीएस से मेधांश ने नाबाद 49 रन बनाये। वही दिन के दूसरे

मैच में रेलवे गर्वित क्रिकेट अकैडमी एवं संजय गुप्ता क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। रेलवे गर्वित ने टॉस जीतके पहले बैटिंग का फैसला लिया बैटिंग करते हुए 137 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। सूर्यांश ने 58 रन नबाद बनाए। संजय गुप्ता से यश ने 3 विकेट लिये। लक्ष का पीछा करते हुए 87 पे ऑलआउट हो गई। मोहिल ने 22 रन और भाविक ने रन बनाए। चेरिट ने 3 और आरव ने 3 विकेट लिया। पहले मैच में मेधांश और दूसरे मैच में सूर्यरंश को उनकी शानदार प्रदर्शन के लिए मन ऑफ़ थे मैच चुना गया।

हार्दिक-नवनीत बने बेस्ट प्लेयर, जफर को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

एजेंसी, नई दिल्ली

हार्दिक सिंह और नवनीत कौर को आठवें वार्षिक पुरस्कार समारोह में वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। दोनों खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए

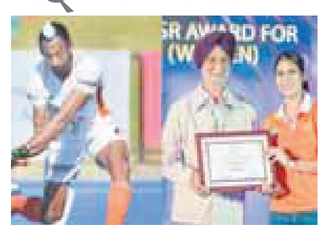

20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। इसके अलावा, 1980 मॉस्को ओलंपिक 1980 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे ज़फ़र इक़बाल को मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। इस मौके पर जफर इकबाल ने कहा कि वह भारतीय हॉकी टीम को फिर से ओलंपिक चैंपियन बनते देखना चाहते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि टीम में फिर से स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता है।

रिकॉर्ड वनडे में एक साल में सबसे ज्यादा रन तेंदुलकर सबसे आगे

टॉप-10 भारतीयों में गिल आगे, 28 साल से सचिन नंबर 1

एजेंसी, नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर न सिर्फ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, बल्कि एक कैलेंडर वर्ष में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है। सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में भी शुमार हैं। अगर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की बात करें, तो इस सूची में कई दिग्गजों का नाम शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि शुभमन गिल इस मामले में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे बड़े खिलाड़ियों से भी आगे नजर आते हैं, जो उनकी निरंतरता और शानदार फॉर्म को दर्शाते हैं।

शुभमन गिल हैं रोहित-कोहली से आगे

इस सूची में 5वें स्थान पर शुभमन गिल हैं जिन्होंने साल 2023 में वनडे प्रारूप में कुल 1584 रन बनाए थे जबकि छठे स्थान पर फिर से गांगुली हैं जिन्होंने साल 2000 में 1579 रन बनाए थे। इस लिस्ट में 7वें पोजिशन पर रोहित शर्मा हैं जिन्होंने साल 2019 में वनडे में 1490 रन बनाए थे जबकि 1425 रन के साथ विराट कोहली 8वें स्थान पर हैं। 9वें नंबर पर एक बार फिर से सचिन हैं जिन्होंने साल 2007 में 1425 रन हैं जबकि विराट कोहली 10वें स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2011 में 1381 रन बनाए थे।

एकदिवसीय प्रारूप में एक साल में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम

सचिन तेंदुलकर भारत की तरफ से वनडे प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में पहले स्थान पर हैं। सचिन तेंदुलकर ने साल 1998 में एक कैलेंडर वर्ष यानी एक साल में वनडे में 1894 रन बनाए थे और पिछले 28 साल से ये रिकॉर्ड उनके नाम पर दर्ज है। सचिन ने इस साल 34 मैचों में 9 शतक और 7 अर्धशतक की मदद से इतने रन बनाए थे। उनका बेस्ट स्कोर उस साल 143 रन था और अब तक उनका ये रिकॉर्ड नहीं टूटा है।

एकदिवसीय में एक साल में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 10 बल्लेबाज

- सचिन तेंदुलकर- 1894 रन, 1998
- सौरव गांगुली- 1767 रन, 1999
- राहुल द्रविड़- 1761 रन, 1999
- सचिन तेंदुलकर- 1611 रन, 1996
- शुभमन गिल- 1584 रन, 2023
- सौरव गांगुली- 1579 रन, 2000
- रोहित शर्मा- 1490 रन, 2019
- विराट कोहली- 1460 रन, 2017
- सचिन तेंदुलकर- 1425 रन, 2007
- विराट कोहली- 1381 रन, 2011

गोल्फ किंग टाइगर वुड्स गिरफ्तार, फ्लोरिडा में पुलिस ने पकड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

गोल्फ की दुनिया के बेताज बादशाह और 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स एक बार फिर कानूनी मुश्किलों में घिर गए हैं। 50 वर्षीय वुड्स को फ्लोरिडा में 'ड्राइविंग अंडर द इन्फ्लुएंस' संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और कानूनी जांच में सहयोग न करने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना तब हुई जब जुपिटर आइलैंड स्थित उनके घर के पास उनकी लैंड रोवर कार पलट गई। फिलहाल उन्हें मार्टिन काउंटी जेल में रखा गया है जहां फ्लोरिडा के कानून के मुताबिक उन्हें कम से कम 8 घंटे हिरासत में रहना होगा।

ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट में फेल हुए वुड्स

हैरानी की बात यह है कि गिरफ्तारी के बाद जब वुड्स का ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट किया गया तो उसमें अल्कोहल की मात्रा शून्य पाई गई। हालांकि उन्होंने यूरिन टेस्ट कराने से इनकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि वुड्स किसी तरह की दवा या ड्रग्स के प्रभाव में लग रहे थे भले ही उनकी गाड़ी से कोई संदिग्ध पदार्थ बरामद नहीं हुआ है। याद रहे कि इससे पहले 2017 में भी उन्हें इसी तरह के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था जिसके बाद उन्हें प्रोबेशन और कम्युनिटी सर्विस की सजा सुनाई गई थी।

रविवार को भी माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मूल्यांकन को किया अनिवार्य

मई में दूसरी परीक्षा प्रस्तावित इसलिए बढ़ी चिंता, अप्रैल के तीसरे सप्ताह में 10वीं 12वीं का रिजल्ट देने की तैयारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

नवीन शिक्षा नीति में दो परीक्षा निर्धारित होने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है, लेकिन इन चैलेंज को बोर्ड के अधिकारी बड़ी गंभीरता से ले रहे हैं। यही कारण है कि मौजूद शिक्षण सत्र में पहली बार शिक्षकों का उपयोग रविवार की छुट्टी में भी किया जा रहा है। बोर्ड ने स्पष्ट कहा है कि रिजल्ट निकालने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उसको लेकर सभी को

समन्वय के साथ सहयोग करना होगा। इस संदर्भ में माध्यमिक शिक्षा मंडल के संभागीय कार्यालयों को पहले निर्देश दिए जा चुके तो इसकी प्रति जिला शिक्षा अधिकारियों तक भी भेजी गई है। रविवार को मूल्यांकन हो रहा है कि नहीं इसके लिए निगरानी का प्रमुख जिम्मा कलेक्टरों को सौंपा गया है।

कलेक्टर समन्वय केंद्रो से रिपोर्ट लेंगे कि रविवार को कितने शिक्षक मूल्यांकन करने आए और कितनों की अनुपस्थिति रही। अनुपस्थित रहने वालों पर मंडल सभी पहलुओं को परखते हुए एक्शन भी ले सकता है, लेकिन यह कार्रवाई तब होगी जब शिक्षक स्पष्टीकरण में संतोषजनक जवाब देने की स्थिति में नहीं रहेंगे।

अंतिम चरण में सबसे अधिक कॉपियां

मध्य शिक्षा मंडल अंतिम चरण का मूल्यांकन करवा रहा है, लेकिन इसमें सबसे अधिक कॉपियां हैं। बोर्ड में अधिकारियों का कहना है कि उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अधिक होने के कारण ही रविवार को शिक्षकों का उपयोग कापियों की जांच में किया जा रहा है, क्योंकि इसमें एक-एक दिन महत्वपूर्ण है। अधिकारियों का कहना है कि पहले अप्रैल के प्रथम सप्ताह में ही रिजल्ट देने की तैयारी थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या ज्यादा होने के कारण इसमें समय लग सकता है। इसलिए संभावना पूरी है कि दूसरे सप्ताह में मूल्यांकन कंप्लीट हो पाएगा। हालांकि बोर्ड का दावा है कि रिजल्ट अप्रैल में ही घोषित होगा थोड़ा विलंब जरूर हो सकता है।

एक मई से प्रस्तावित की गई है दूसरी परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नई शिक्षा नीति के अनुसार दूसरी परीक्षा इस बार मई में निर्धारित की है। एक मई से परीक्षा प्रस्तावित हो चुकी है। इसलिए रिजल्ट अप्रैल में निकालना माध्यमिक शिक्षा मंडल की मजबूरी बन गया है। यही कारण है कि रविवार को जहां शिक्षकों को मूल्यांकन के लिए बुलाया जा रहा है। वही मंडल राज्य स्तर से भी इसकी कड़ी निगरानी कर रहा है। बोर्ड में अधिकारियों का कहना है कि मूल्यांकन के प्रतिदिन का अपडेट लिया जा रहा है। इसके लिए हर जिले में ऑनलाइन कनेक्टिविटी जोड़ी गई है। उत्तर पुस्तिकाओं की जांच का काम प्रगति पर है और अप्रैल में ही रिजल्ट निकलेगा। यह पूरी तरह से तय है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न कंपनियों के उद्यमियों और स्टार्टअप से किया संवाद

इनोवेशन अपनाकर मध्यप्रदेश बनेगा उद्यमिता का हब : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। आज मध्यप्रदेश का युवा अपनी सोच को आकार देकर नए-नए इनोवेशन कर आईटी तकनीकी के माध्यम से स्टार्टअप कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश स्टार्टअप एवं इनोवेशन को अपनाते हुए उद्यमिता विकास का हब बन जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आज दुनिया तेजी से बदल रही है। वर्तमान समय में इंसान को उसके ज्ञान से ही मापा जाता है। उन्होंने कहा कि युवा नवीन तकनीकी को अपनाएं और स्टार्टअप करें एवं दूसरों को रोजगार देने वाले सफल उद्यमी बने। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि भोपाल में प्रदेश की पहली नॉलेज और एआई सिटी बन रही है। उज्जैन को साइंस सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के सिंहासा में स्थित आईटी पार्क में बने लॉन्चपैड इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। नवाचार और विज्ञान के माध्यम से अनेक कार्य हो रहे हैं। लोग कभी जमीन और प्रापर्टी को अपना सब कुछ समझते थे। अब तो ज्ञान ही सबसे बड़ा खजाना है। ज्ञान होने से मनुष्य अपने आप धनवान हो जाता है। नॉलेज के बलबूते पर उन्नति के मार्ग पर तेजी से जा सकते हैं। सत्यवादी मार्ग पर बढ़ने का यही समय है।

मंत्री सारंग ने वार्ड 69 में किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

भोपाल (नगर संवाददाता)

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने वार्ड 69 स्थित अशोक विहार में करोड़ों रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर महापौर मालती राय, जोन अध्यक्ष सूर्यकांत गुप्ता, विमलेश ठाकुर, पार्षद रिहान सिद्धकी, जिला महामंत्री प्रदीप शेखावत, मंडल अध्यक्ष संदीप चौकसे, नितिन पाठक, वार्ड पालक वीरेन्द्र पप्पू राय, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं रहवासी गण उपस्थित रहे।

अब ईवी खरीदी पर राहत खत्म देना पड़ेगा चार प्रतिशत टैक्स प्रदेश में महंगे होंगे ई-व्हीकल

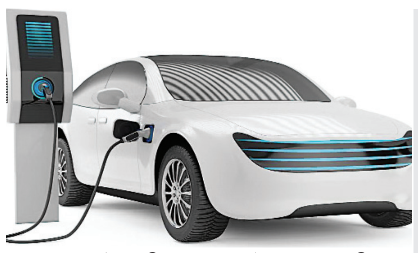

सरकार ने नहीं बढ़ाई मोहलत, ईवी पॉलिसी के तहत एक साल के लिए मिली 100 फीसदी टैक्स छूट की अवधि 26 मार्च को खत्म

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन यानी ईवी खरीदने वालों को मिलने वाली बड़ी राहत अब खत्म हो गई है। दरअसल, सरकार द्वारा ईवी पॉलिसी के तहत पिछले साल 27 मार्च 2025 से एक साल के लिए ईवी वाहनों पर मिलने वाली 4 प्रतिशत मोटर व्हीकल टैक्स की छूट की मोहलत प्रदेश सरकार ने नहीं बढ़ाई है, जिसके चलते अब ईवी खरीदने वालों को पूरा टैक्स भराना होगा, जिससे अब ईवी खरीदना महंगा हो जाएगा। पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक दो और चार पहिया वाहनों पर मोटर व्हीकल टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में दी जा रही 100 फीसदी छूट सिर्फ 27 मार्च 2026 तक ही लागू थी, हालांकि उम्मीद की जा रही थी कि शायद सरकार इसे बढ़ा दे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में अब 28 मार्च के बाद ईवी खरीदने वाले उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। दरअसल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा बनाई गई ईवी पॉलिसी को प्रदेश में 27 मार्च 2025 को लागू किया गया था। इस पॉलिसी को तो पांच साल के लिए लागू किया गया है, लेकिन इसमें दो और चार पहिया वाहनों को मिलने वाली छूट की अवधि केवल एक साल तय की गई थी।

- **ई-बसों और ट्रकों को अगले साल तक छूट :** हालांकि ई-बसों और ई-ट्रकों को यह छूट 27 मार्च 2027 तक मिलती रहेगी, क्योंकि इनकी छूट दो साल के लिए लागू की गई थी। ईवी पॉलिसी में पांच साल में सभी दो पहिया वाहनों का 40 प्रतिशत और चार पहिया का 15 प्रतिशत ईवी के पंजीयन का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन एक साल में ही छूट खत्म होने के बाद यह लक्ष्य प्राप्त होना भी मुश्किल होगा।
- **रेट्रोफि टिंग पर छूट भी खत्म:** ईवी पॉलिसी में रेट्रोफि टिंग यानी 15 साल पुराने पेट्रोल-डीजल वाहन को ईवी में बदलवाने पर भी एक साल तक ही छूट की गई है, इसलिए यह भी खत्म हो जाएगी। रेट्रोफिटिंग के लिए दो पहिया को 5 हजार प्रति वाहन, तीन पहिया को 10 हजार और कार को 25 हजार प्रोत्साहन राशि का प्रावधान था।
- **अब 10 लाख की गाड़ी पर लगेगा, 40 हजार टैक्स :** प्रदेश सरकार की तरफ से ईवी पर मिल रही 100 प्रतिशत छूट का फायदा लगातार ईवी चालकों को मिल रहा था, जिसके चलते पिछले एक साल में ईवी वाहनों की संख्या में खासी बढ़ोतरी भी हुई, लेकिन अब नए ईवी वाहन खरीदने वालों को 4 प्रतिशत टैक्स चुकाना होगा, यानी एक लाख के ई-स्कूटर पर 4 हजार और 10 लाख के वाहन पर करीब 40 हजार रुपए टैक्स जमा करना होगा। ऐसे में सबसे ज्यादा असर ई-रिक्शा, बाइक, मोपेड और ई- कारों की खरीदी पर पड़ेगा।

छिंदवाड़ा बस हादसा : सिंघार बोले

प्रत्येक मृतक के परिजन को दी जाएगी 50 हजार की सहायता

भोपाल (नगर संवाददाता)

छिंदवाड़ा बस हादसे को लेकर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कांग्रेस विधायक दल की ओर से हादसे में मृत प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

प्रेस वार्ता में सिंघार ने कहा कि 26 मार्च की शाम छिंदवाड़ा-नागपुर मार्ग पर हुए इस भीषण हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 40 लोग घायल हुए। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि दुर्घटनाग्रस्त बस मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौट रही थी। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए। सिंघार ने कहा कि राज्य में हादसों के बाद मुआवजा देने की कोई समान नीति नहीं है। अलग-अलग घटनाओं में अलग-अलग राशि घोषित की जाती है, जिससे पीड़ितों के साथ असमानता होती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुआवजा पाने के लिए पीड़ित परिवारों को लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और कई मामलों में समय पर सहायता नहीं मिल पाती। प्रेस वार्ता में उन्होंने देश और प्रदेश में रसोई गैस की कमी का मुद्दा भी उठाया।

राजधानी में जुटेंगे तीन राज्यों के 55 युवा विधायक, लोकतांत्रिक संवाद का बनेगा मंच

30 और 31 मार्च को होने जा रहा है युवा विधायक सम्मेलन

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में 30 और 31 मार्च को दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है, जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कुल 55 युवा विधायक एक मंच पर जुटेंगे। यह आयोजन राष्ट्रकुल संसदीय संघ भारत क्षेत्र के तत्वावधान में मध्यप्रदेश विधानसभा में किया जा रहा है। सम्मेलन को लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं तीनों राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष-नरेंद्र सिंह तोमर (मध्यप्रदेश), वासुदेव देवनानी (राजस्थान) और डॉ. रमन सिंह (छत्तीसगढ़)-युवा विधायकों को संसदीय कार्यप्रणाली और मर्यादाओं पर मार्गदर्शन देंगे। सम्मेलन के दौरान संसदीय शिष्टाचार, प्रभावी बहस, नीति निर्माण में युवा नेतृत्व की भूमिका और लोकतंत्र में संवाद की परंपरा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। आयोजन का उद्देश्य नए जनप्रतिनिधियों को अनुभवी नेतृत्व से जोड़कर उनकी क्षमता का विकास करना है।

सम्मेलन का समापन 31 मार्च को होगा, जिसमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे और अपने संसदीय अनुभव साझा करेंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की उपस्थिति लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सकारात्मक संवाद का संदेश देगी।

सम्मेलन में मध्यप्रदेश के 18 विधायक, राजस्थान के 22 विधायक और छत्तीसगढ़ के 15 विधायक शामिल होंगे। यह सम्मेलन लोकतंत्र की नई पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जहां युवा जनप्रतिनिधि अपने अनुभव साझा कर बेहतर शासन और जनसेवा के लिए नई दिशा तय करेंगे।

कवायद **वनक्षेत्रों से सटे रहवासी इलाकों में बढ़ रहा मानव-वन्यप्राणी संघर्ष, वर्ष 2024-25 में 71 लोगों की गई जान**

फेंसिंग से वन सुरक्षा, हाथी प्रबंधन के लिए सौर ऊर्जा बाड़

भोपाल (नगर संवाददाता)

वनों की सुरक्षा और वन्यप्राणियों से फसलों को बचाने प्रदेश के सभी वन मंडलों में फेंसिंग की जाएगी। वन विभाग ने इसके लिए विभिन्न वन मंडलों को बजट भी आवंटित कर दिया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों के प्रबंधन के लिए अलग से बजट दिया गया है।

गौरतलब है कि प्रदेश के वन क्षेत्रों से निकलकर वन्यप्राणी अब रहवासी इलाकों में प्रवेश कर रहे हैं। जंगली सुअर, नीलगाय और हाथियों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इसके साथ ही मानव-वन्यप्राणी संघर्ष के मामलों में भी वृद्धि हो रही है। इनको रोकने के लिए वन विभाग रहवासी क्षेत्रों से सटे वन क्षेत्रों में फेंसिंग करने की योजना बना रहा है, ताकि वन्यप्राणी आसानी से आबादी में प्रवेश न कर सकें। प्रदेश के टाइगर रिजर्व में बाघ और तेंदुओं

की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में ये वन्यप्राणी शिकार की तलाश में आबादी की ओर रुख कर रहे हैं। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए वन विभाग सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दे रहा है। प्रदेश में मानव-वन्यप्राणी संघर्ष के मामले हर साल बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024-25 में ऐसे संघर्षों में 71 लोगों की जान गई, जबकि वर्ष 2023-24 में 76 और वर्ष 2022-23 में 86 लोगों की मृत्यु हुई थी।

वन्यजीवों के लिए 11,497 वर्ग किलोमीटर संरक्षित क्षेत्र

प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण को उच्च प्राथमिकता दी गई है। मध्यप्रदेश में वन्यजीव संरक्षित क्षेत्रों का कुल रकबा 11,497.268 वर्ग किलोमीटर है। राज्य में 11 राष्ट्रीय उद्यान, 26 वन्यजीव अभयारण्य और एक कंजर्वेशन रिजर्व हैं। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, पन्ना राष्ट्रीय उद्यान, पेंच राष्ट्रीय उद्यान, सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान एवं संजय राष्ट्रीय उद्यान सहित प्रदेश में 6 टाइगर रिजर्व पहले से अधिसूचित हैं। इसके अलावा वर्ष 2023 में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, दिसंबर 2024 में रातापानी (डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर) टाइगर रिजर्व तथा वर्ष 2025 में माधव राष्ट्रीय उद्यान को माधव टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया गया है। इस प्रकार प्रदेश में अब कुल 9 टाइगर रिजर्व हो गए हैं। इन 9 टाइगर रिजर्व का कोर जोन 7326.691 वर्ग किमी तथा बफर जोन 8109.531 वर्ग किमी है। वर्ष 2025 में डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभयारण्य सागर, जहानगढ़ अभयारण्य श्योपुर एवं ताप्ती कन्जर्वेशन रिजर्व बैतूल का गठन किया गया है। अब इनसे सटे रहवासी क्षेत्रों में फेंसिंग की जाएगी।

वन मंडलों को 42 करोड़ का बजट

वित वर्ष में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए संवेदनशील वन क्षेत्रों में फेंसिंग हेतु 42 करोड़ 58 लाख 20 हजार रुपये विभिन्न वन मंडलों को आवंटित किए गए हैं। इसमें जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व को सोलर पॉवर फेंसिंग के लिए 3 करोड़ 70 लाख रुपये दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सोलर पॉवर फेंसिंग (सौर ऊर्जा बाड़) एक आधुनिक सुरक्षा प्रणाली है, जिसमें सोलर पैनल और बैटरी के माध्यम से तारों में उच्च वोल्टेज का सुरक्षित पल्स करंट प्रवाहित किया जाता है। इससे छूने पर हल्का झटका लगता है, जिससे जंगली जानवर दूर रहते हैं, लेकिन उन्हें कोई गंभीर नुकसान नहीं होता।

विमानन मंत्री वर्चुअली करेंगे एयरपोर्ट पर सुविधाओं का उद्घाटन

भोपाल-गोवा उड़ान बंद, आज से चलेगी नवीं मुम्बई फ्लाइट

भोपाल (नगर संवाददाता)

2025 में अक्टूबर की 26 तारीख को भोपाल से गोवा के लिए जो उड़ान का शुभारंभ किया गया था, उस पर शनिवार से ब्रेक लग गया और अपरान्ह 3 बजे उसने गोवा के लिए अंतिम उड़ान भरी। अब फिर से कब चालू होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता। इस उड़ान के बंद होने से हवाई जहाज से गोवा जाने वाले यात्रियों को भारी निराशा का सामना करना पड़ा है। गोवा उड़ान को बंद करने का स्पष्ट कारण बताया नहीं जा रहा है जबकि यह आखिरी दिन भी पूरी तरह से फुल गई और इस उड़ान से 437 यात्रियों का आवागमन हुआ। इधर रविवार से नवीं मुम्बई के लिए इंडिगो फ्लाइट प्रारंभ करने जा रहा है। साथ ही राजा भोज हवाई अड्डा, भोपाल पर रविवार की सुबह यात्री-केंद्रित सुविधाओं के उद्घाटन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारपु राममोहन नायडू उपस्थित रहेंगे, जो राजकोट हवाई अड्डे से वर्चुअली मोड के माध्यम से सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे।

राजा भोज एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी, महापौर मालती राय एवं भाजपा के हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा इसके साक्षी होंगे।

इन सुविधाओं का लोकार्पण

एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि एयरपोर्ट पर आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ नव निर्मित घरेलू आगमन हॉल उद्घाटन के बाद यात्री उपयोग के लिए चालू किया जाएगा उन्नत, बुनियादी ढांचे से सुसज्जित नया फ़ायर स्टेशन, निर्बाध और संपर्क रहित यात्री प्रसंस्करण के लिए डिजी यात्रा सुविधा का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री से मिलूंगा

इधर गोवा उड़ान को बंद किए जाने पर सांसद आलोक शर्मा ने ऐतराज जताया है। आलोक शर्मा के प्रयासों से ही बंद उड़ान फ़िर से यानी 26 अक्टूबर 2025 को प्रारंभ हुई थी। इसको एक बार फिर बंद कर दिए जाने पर शर्मा ने ऐतराज जताया और कहा है कि वे जल्द ही दिल्ली में विमानन मंत्री से मुलाकात कर इसे स्थाई रूप से चालू करवाने का प्रयास करेंगे।

चिनार ड्रीम सिटी में छठे फ्लोर से गिरी लिफ्ट, एक घायल, तीन पर प्रकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित चिनार ड्रीम सिटी में 28 फरवरी को लिफ्ट गिरने से एक रहवासी गंभीर रूप से घायल हो गया। मिसरोद पुलिस ने समिति के जिम्मेदार उप समिति अध्यक्ष सहित दो सदस्यों पर लापरवाही का मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि चिनार ड्रीम सिटी में लिफ्ट से बुजुर्ग की लाश भी बरामद हो चुकी है। उक्त घटनाओं के बाद से यहां की सभी लिफ्ट बंद कर दी गई है। लिफ्ट बंद होने से रहवासी परेशान हैं और छठे फ्लोर तक जाने के लिए सीढ़ियों का सहारा ले रहे हैं।

प्रवेश करते ही नीचे गिरने लगी लिफ्ट इमरजेंसी बटन भी रहा नाकाम

पुलिस के मुताबिक आई-605, चिनार ड्रीम सिटी मिसरोद निवासी अनुज पथरौल (24) मंडीदीप में मार्केटिंग का काम करते हैं। 28 फरवरी को वह अपने फ्लैट से साथी प्रदीप यादव के साथ मंडीदीप फैक्ट्री जाने को निकले थे। सुबह 9.40 बजे अनुज ने आई ब्लॉक की लिफ्ट का बटन दबाया। दरवाजा खुल गया और वह दोस्त के साथ लिफ्ट में चले गए। अचानक लिफ्ट छठे फ्लोर से सीधे नीचे जाने लगी। इमरजेंसी बटन भी दबाया लेकिन नहीं रुकी और सीधे नीचे आकर गिर गई। इसमें उनके दाहिने पैर में फ्रेक्चर हो गया। प्राथमिक इलाज के बाद वह विदिशा चले गए। लिफ्ट गिरने के मामले में उप समिति अध्यक्ष जयपाल शर्मा और लिफ्ट रिपेयर नीरज पवार सहित मेनटेनेंस प्रभारी प्रकाश विश्वकर्मा की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ लापरवाही की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

बुकिंग के 10 दिन बाद भी लोगों को नहीं मिल पा रहे सिलेंडर

अफसरों का कहना पर्याप्त स्टॉक, इधर लगातार बढ़ रही बुकिंग की पेंडेसी

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रशासन का दावा है कि शहर में रसोई गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। हालांकि जमीनी हकीकत कुछ और ही देखने को मिल रही है। बुकिंग के 10 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं पहुंच रहे हैं। शनिवार को शहर के दर्जन भर स्थानों पर लोग सिलेंडर के लिए मशक्कत करते नजर आए।

टीटी नगर दशहरा मैदान पर सिलेंडर लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग खाली सिलेंडरों को लेकर लाइन में खड़े रहे। पुठ्ठा मील क्षेत्र में भी यहीं स्थिति देखने को मिली। इतना ही नहीं पांच नंबर मार्केट, कोलार, भेल बरखेड़ा, गांधी नगर, लालघाटी सहित अन्य गैस एजेंसियों व उनके गोदामों पर सिलेंडर लेकर लोग खड़े रहे। अधिकारियों का कहना है कि अफवाहों के बीच लोग तेजी से रसोई गैस सिलेंडरों की बुकिंग करा रहे हैं, इससे बकिंग की पेंडेंसी बढ़ती जा रही है। इस हिसाब से एजेंसियों लोगों को सिलेंडर उपलब्ध नहीं करा पा रही हैं, जिससे लोग सिलेंडर लेकर एजेंसियों पर पहुंच रहे हैं और लाइन में लग रही है।

छापा : 56 सिलेंडर जब्त

शनिवार को जिला खाद्य नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन के नेतृत्व में टीमों ने कार्रवाई करके 56 सिलेंडरों को जब्त किया। जवाहर चौक और घोड़ा नक्कास क्षेत्र में अवैध गैस सिलेडर रीफिलिंग पॉइंट और अवैध गैस सिलेंडर के भंडारण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। घोड़ा नक्कास क्षेत्र में लक्ष्मी टॉकीज गली में अल कैटरिंग और कैटरिंग के संचालक अब्दुल रहमान के निवास हाउस नंबर 9/8 खजूरी गली वार्ड 19 में गैस सिलेंडर की छान बिन की गई और घर में 28 (15 नग घरेलू प्रवर्ग के,9नग व्यवसायिक प्रवर्ग तथा 4 नग 5 केजी के) गैस सिलेंडर और कैटरिंग दुकान में 30 नग गैस सिलेंडर (12 नग व्यावसायिक गैस सिलेंडर और 18 नग छोटे 5 क्षमता के गैस सिलेंडर) का अवैध भंडारण पाया। जिला खाद्य नियंत्रक जादौन ने बताया कि जवाहर चौक स्थित ए 1 इलेक्ट्रिकल्स की जांच की गई मौके पर घरेलू गैस सिलेंडर से लोकल गैस सिलेंडर में पीतल बंसी का प्रयोग कर गैस का अंतरण पाया गया। मौके से दुकान संचालक शाहिद से 3 घरेलू सिलेंडर 1 लोकल गैस सिलेंडर 4 नग पीतल बंसी जब्त की गई। दोषियों के प्रकरण दर्ज किया गया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)